उज्जैन
रविवार
01
नवम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-358
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र में लाश देखकर भागे 70 मरीज

7 ▸ हैमिल्टन में आज भारत-न्यूजीलैंड पांचवा टी-20



श्रद्धा कपूर की फिल्म ईठा का ट्रेलर रिलीज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म ईठा का ट्रेलर आज दोपहर रिलीज हुआ। फिल्म में श्रद्धा मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म ईठा का ट्रेलर महाराष्ट्र की लोककला तमाशा और लावणी की दुनिया दिखाता है। ट्रेलर में कला, संघर्ष और अपने सम्मान के लिए लड़ाई नजर आती है। श्रद्धा विठाबाई के किरदार में दमदार लग रही हैं। उनके डायलॉग भी असर छोड़ते हैं। एक जगह वह कहती हैं, देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड। मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे। जब वो टूट गया ना, सब टूट गया। वहीं मुंबई के दादर में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर पारंपरिक महाराष्ट्रीयन नौवारी साड़ी पहनकर पहुंचीं।

देश

- **ग्वालियर** में मिलावट पर बड़ी कार्रवाई, पिछोर में 128 किलो पनीर जब्त, गिरवाई में 12.28 लाख का मावा पकड़ा
- **मुख्यमंत्री** उमर अब्दुल्ला ने पत्रकार निधि राजदान से शादी रचाई, दिल्ली के जेके हाउस में देंगे रिसेप्शन
- **राष्ट्रीय** एकता दिवस पर गुजरात को बड़ी सौगात, पीएम मोदी ने एकता नगर में 426.71 करोड़ की परियोजनाओं की रखी नींव
- **दिवाली** से पहले कॉमर्शियल सिलेंडर 17 रुपये तक महंगा, फोन पर अनजान कॉलर का असली नाम दिखेगा, फास्ट टैग का लोकल पास
- **केजीएमयू** में धर्मांतरण का खुलासा, डॉ. अनीस ने 19 युवतियों से किया दुष्कर्म, वीसी के सचिव भी जांच के घेरे में

विदेश

- **रूसी** ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक, महीनों तक अंडरग्राउंड सुरंगों में रहने को मजबूर
- **जंग** कब और कैसे खत्म होगी, यह हम तय करेंगे, ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अमेरिका-इजराइल को चेतावनी दी, सेना को तैयार रहने के लिए कहा
- **जापान** के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंपः केंद्र समुद्र में 352 किमी की गहराई पर था
- **ट्रंप प्रशासन** को बड़ा झटकाः चुनाव में हस्तक्षेप और मतपत्र रोकने पर कोर्ट की रोक

व्यापार

- **चांदी** इस हफ्ते 13 हजार रुपए सस्ती, 1.81 लाख आई, सोना 1576 रु. गिरकर 1.40 लाख पर आया
- **विदेश** में पेट्रोल बेचने पर टैक्स खत्म, डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 3 रु. बढ़कर 11.50 रु. हुई, एटीएफ पर 11 रु. टैक्स

कार्टून..



1 अप्रैल 2027 से बाजार में आ सकते हैं

प्लास्टिक के 10 और 20 रुपये के नोट आएंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

देश में जल्द ही 10 और 20 रुपये के प्लास्टिक यानी पॉलिमर नोट देखने को मिल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक इन नोटों को पायलट प्रोजेक्ट के तहत जारी करने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इसकी शुरूआत 1 अप्रैल 2027 से हो सकती है। हालांकि, यह तारीख अभी आधिकारिक रूप से घोषित नहीं की गई है। शुरूआती चरण में 10 और 20 रुपये के नोटों को शामिल किया जाएगा। इनका आकार मौजूदा कागजी नोटों के बराबर रखने की योजना है, ताकि बैंकों को एटीएम मशीनों में बदलाव कराने पर अतिरिक्त खर्च न करना पड़े।

प्लास्टिक के नोटों को लेकर सरकार पहले ही एक अरब की संख्या में 10 रुपये और एक अरब की संख्या में 20 रुपये के पॉलिमर नोटों के फील्ड ट्रायल के



प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है। इस परीक्षण का उद्देश्य यह देखना है कि भारतीय मौसम, तापमान, नमी और रोजमर्रा के इस्तेमाल में ये नोट कितने टिकाऊ साबित होते हैं। परीक्षण सफल रहने के बाद ही इनके नियमित इस्तेमाल को लेकर आगे का फैसला किया जाएगा।

मौजूदा नोटों के बराबर रहेगा आकार

प्लास्टिक के नए नोटों की सबसे खास बात यह होगी कि उनका आकार पहले से चल रहे 10 और 20 रुपये के नोटों जैसा रखने की योजना है। इससे एटीएम मशीनों में नोट रखने वाले स्लॉट और कैश डिस्पेंसिंग सिस्टम में बदलाव की जरूरत नहीं पड़ेगी। बैंक मौजूदा व्यवस्था के जरिए ही इन नोटों को ग्राहकों तक पहुंचा सकेंगे। दरअसल, नोटों के आकार में बदलाव होने पर एटीएम मशीनों के सेंसर, कैश रखने वाले बॉक्स और नोटों की पहचान करने वाली व्यवस्था में तकनीकी बदलाव करने पड़ सकते हैं। इसके लिए मशीनों को दोबारा कैलिब्रेट कराने और इंजीनियरों की मदद लेने की जरूरत होती है। इससे बैंकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ता है।

फोन पर अनजान कॉलर का नाम दिखाना आज से अनिवार्य

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

आज यानी 1 नवंबर 2026 से आपके फोन पर जब भी किसी अनजान नंबर से कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर नंबर के साथ उस व्यक्ति का असली नाम भी दिखेगा। यह नाम वही होगा जो उसने सिम खरीदते समय सरकारी आईडी (जैसे आधार) में दिया था। दूरसंचार विभाग ने सभी टेलीकॉम कंपनियों के लिए इस नियम को लागू करना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए आपको कोई एप डाउनलोड या सर्विस शुरू करने की जरूरत नहीं होगी, यह अपने-आप काम करेगी। अब तक अनजान नंबरों की पहचान के लिए लोग ट्रूकॉलर जैसे एप का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब बिना किसी एप के ही आपको पता चल जाएगा कि कौन कॉल कर रहा है। इससे फर्जी और फ्रॉड कॉल से बचने में आसानी होगी।

बिहार-झारखंड में अर्नब तूफान का कहर

तीन दिन की बारिश से धान और सब्जियों की फसल तबाह, 70 से अधिक ट्रेनें रद्द, उड़ानों पर भी संकट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पटना/रांची

बिहार और झारखंड में लगातार तीन दिनों तक हुई बारिश ने जनजीवन के साथ खेती-किसानी की व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के कारण खेतों में पककर तैयार धान की फसल जमीन पर बिछ गई है। कई स्थानों पर कटाई का काम रुक गया है, जबकि जिन किसानों ने फसल काटकर खेतों में रखी थी, उनकी उपज भीगने से खराब होने की आशंका बढ़ गई है। सब्जियों की खेती पर भी बारिश की मार पड़ी है। खेतों में पानी भरने से गोभी, मक्का, आलू और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की खबर है। किसानों का दावा है कि कुछ इलाकों में धान की आधे से अधिक फसल प्रभावित हुई है।

मौसम की मार केवल खेतों तक सीमित नहीं रही। झारखंड में तेज हवा और बारिश से कई मकानों तथा टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। खराब मौसम से जुड़े हादसों में दो लोगों की मौत की खबर है। दूसरी ओर, रांची एयरपोर्ट पर विमान सेवाएं प्रभावित हुईं और झारखंड, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल से होकर गुजरने वाली 70 से अधिक ट्रेनों को रद्द किए जाने की सूचना है। इससे यात्रियों को भी परेशानी का



खेतों में बिछ गई धान की फसल, कटाई पर लगा ब्रेक

बिहार के कई जिलों में इस समय धान की फसल पककर तैयार होने की स्थिति में है। किसानों के अनुसार, नाटी मंसूरी सहित धान की प्रमुख किस्मों में बालियां निकलने और फसल पकने का महत्वपूर्ण समय चल रहा था। ऐसे में लगातार बारिश और तेज हवा ने खेतों में खड़ी फसल को गिरा दिया। कई खेतों में पौधे जमीन पर बिछ गए हैं। इससे दानों की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित होने की आशंका है। पटना जिले के नौबतपुर, बिक्रम, पालीगंज और मोकामा-बाढ़ क्षेत्र के किसानों ने बड़े पैमाने पर नुकसान की बात कही है। इसके अलावा समस्तीपुर, भागलपुर, मुंगेर, आरा, औरंगाबाद, जहानाबाद, गया, सासाराम और कैमूर सहित अनेक इलाकों से भी फसलों को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है।

सामना करना पड़ा। झारखंड में मौसम की स्थिति को देखते हुए 28 और 29 अक्टूबर को सरकारी तथा निजी विद्यालय बंद रखने का निर्णय लिया गया था।

इंदौर से देशभर में साइबर ठगी का नेटवर्क

म्यूल अकाउंट सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

देशभर में साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों की सप्लाई करने वाले एक कथित पैडलर को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर साइबर ठगों को अलग-अलग बैंकों के खाते उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी के तीन बैंक खातों के खिलाफ देश के नौ राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की 35 शिकायतें दर्ज हैं।

तीन बैंकों के खाते ठग गिरोह को किए सप्लाई- क्राइम ब्रांच के एडीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक, आरोपी सचिन विश्वकर्मा ने आईडीबीआई बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और स्टेट बैंक ऑफ मॉरीशस में अपने खाते खुलवाए थे। आरोप है कि इन बैंक खातों को उसने साइबर ठगी करने वाले गिरोहों तक पहुंचाया। ऐसे खातों का इस्तेमाल ठगी से हासिल रकम को प्राप्त करने और आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है।

नौ राज्यों से मिलीं 35 साइबर शिकायतें

पुलिस के अनुसार राज्य साइबर मुख्यालय, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, केंद्रीय गृह मंत्रालय और साइबर क्राइम पोर्टल से प्राप्त जानकारियों के आधार पर संदिग्ध बैंक खातों की पड़ताल की गई थी। इसी जांच में सचिन विश्वकर्मा के तीन बैंक खाते सामने आए। इन खातों के खिलाफ उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड समेत नौ राज्यों से कुल 35 शिकायतें दर्ज होने की जानकारी मिली है।



उत्तरप्रदेश के 10 शहरों में कोहरा

केदारनाथ में तापमान -8 डिग्री

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

यूपी में अर्नब तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया।

ओडिशा में लगातार बारिश के बाद गंजाम और कंधमाल जिले की सीमा पर एक गांव में लैंडस्लाइड हुई। इसमें 12 लोग लापता हो गए। राज्य सरकार ने शनिवार को उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया।

ओडिशा में लैंडस्लाइड से 12 लोग लापता, आंध्र से टकरा सकता है नया चक्रवाती तूफान

उत्तराखंड के उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग समेत 9 जिलों में आज बारिश हो सकती है। आज सुबह केदारनाथ में तापमान -8 डिग्री और यमुनोत्री में -5 डिग्री दर्ज किया गया।

बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन तेज होकर नए चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह तूफान 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट से टकरा सकता है। तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटा रह सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए आज से नियम सख्त

पुरानी गाड़ियों की एंट्री बंद, पार्किंग फीस दोगुनी, 50% कर्मचारी घर से काम करेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के दौरान प्रदूषण पर काबू पाने के लिए 1 नवंबर से नए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड बीएस-6 से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी।

सरकारी और निजी दफ्तरों में आधे कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। वहीं, कई सार्वजनिक पार्किंग में गाड़ियों को खड़ा करने का शुल्क भी दोगुना कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने जुलाई में विंटर पॉल्यूशन एक्शन प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण रोकने के उपाय लागू किए जाएंगे। इससे पहले प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के तहत अलग-अलग पाबंदियां लगाई जाती थीं। नए विंटर प्लान में कुछ नियम पहले से तय तारीख पर लागू किए जाएंगे। यानी प्रदूषण का स्तर बढ़ने का इंतजार नहीं करना होगा।

क्या है ग्रेप, कब लागू हुआ था?

ग्रेप यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान। इसे जनवरी 2017 में लागू किया गया था। इसका मकसद दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता खराब होने पर प्रदूषण के स्तर के हिसाब से पाबंदियां लगाना है। इसके तहत एक्यूआई के आधार पर चार चरणों में प्रतिबंध लागू किए जाते हैं। पहला चरण एक्यूआई 201 से 300 यानी खराब हवा होने पर लागू होता है। दूसरा चरण एक्यूआई 301 से 400 यानी बेहद खराब हवा की स्थिति में लगाया जाता है। तीसरा चरण एक्यूआई 401 से 450 और चौथा चरण एक्यूआई 450 से ऊपर जाने पर लागू होता है। हर चरण के साथ प्रदूषण रोकने के लिए पाबंदियां और सख्त होती जाती हैं।

पुरानी गाड़ियों की एंट्री पर रोक

दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड बीएस-6 से कम मानक वाली गाड़ियां 1 नवंबर से 31 जनवरी 2027 तक राजधानी में प्रवेश नहीं कर सकेंगी। इसमें नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद से आने वाली पुरानी पेट्रोल-डीजल गाड़ियां भी शामिल हैं। इलेक्ट्रिक और सीएनजी गाड़ियों को इस नियम से छूट दी गई है। एंबुलेंस और दमकल जैसी जरूरी सेवाओं के वाहन भी दिल्ली में आ सकेंगे। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक धूल फैलाने वाले निर्माण और तोड़फोड़ के कामों पर रोक रहेगी। जरूरी सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तय शर्तों के साथ छूट मिल सकती है। वहीं, इमारतों के अंदर बिजली, प्लंबिंग और फिनिशिंग से जुड़े काम जारी रह सकेंगे।

ओडिशा में लैंडस्लाइड से 12 लोग लापता, आंध्र से टकरा सकता है नया चक्रवाती तूफान

कटिहार में नाश्ते की दुकान पर सिलिंडर ब्लास्ट, चार मासूम समेत पांच झुलसे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कटिहार

बिहार के कटिहार जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र के बलुआघट्टी में नाश्ते की दुकान पर एलपीजी सिलिंडर में विस्फोट से चार बच्चों समेत पांच लोग झुलस गए। घायलों में एक बच्चे और 35 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बिहार के कटिहार जिले में नाश्ते की दुकान पर अचानक एलपीजी सिलिंडर ब्लास्ट होने से बड़ा हादसा हो गया। धमाके के बाद दुकान में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में चार मासूम बच्चों समेत पांच लोग झुलस गए। घायलों में एक बच्चे और 35 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को पहले मनिहारी अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कटिहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना कटिहार के मनिहारी थाना क्षेत्र के बलुआघट्टी की है। यहां एक फास्ट फूड दुकान पर कुछ लोग नाश्ता कर रहे थे। इसी दौरान अचानक दुकान में रखे एलपीजी सिलिंडर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज सुनते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। दुकान पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में चार बच्चों समेत पांच लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए।

भारतीय सेना को इसरो से मिली ताकत

युद्ध के समय पूरी ताकत से काम करेगा 'नाविक'

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

इसरो ने जीएसएलवी-एफ18 से एनवीएस-03 सैटेलाइट लॉन्च किया। जानिए इससे भारत के स्वदेशी नाविक नेविगेशन सिस्टम, जीपीएस पर निर्भरता और सैन्य क्षमताओं को फायदा होगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिये एनवीएस-03 सैटेलाइट को उसकी सटीक कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। यह भारत के स्वदेशी सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' (एनएवीआईसी) की अगली पीढ़ी का तीसरा सैटेलाइट है। यह लॉन्च नाविक को फिर से पूरी तरह सटीक और आत्मनिर्भर बनाएगा।

किसी भी नेविगेशन सिस्टम को स्वतंत्र रूप से सही स्थिति और समय बताने के लिए चार सैटेलाइट्स का लाइव सिग्नल दिखना जरूरी होता है। नाविक के कुछ पुराने सैटेलाइट्स की घड़ियां खराब होने के कारण यह संख्या कम हो गई थी। एनवीएस-03 से अब अंतरिक्ष में नाविक के पास 4 पूरी तरह एक्टिव सैटेलाइट्स हो गए हैं, जिससे यह बिना किसी विदेशी मदद के सटीक डेटा देने में सक्षम हो गया है।

युद्ध के समय पूरी ताकत से काम करेगा

अब भारत को अमेरिकी जीपीएस या रूसी वैश्विक उपग्रह नेविगेशन प्रणाली ग्लोनास पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। युद्ध के समय यदि कोई देश अपना जीपीएस सिग्नल भारत के लिए बंद या धीमा भी कर दे, तो भी हमारे सेना का नेविगेशन सिस्टम पूरी ताकत से काम करता रहेगा। अमेरिकी असहयोग के बाद शुरू हुआ था नाविक प्रोजेक्ट नाविक सेना के लिए एक बड़ा रणनीतिक हथियार बनने वाला है। दरअसल, नाविक प्रोजेक्ट की शुरूआत ही 1999 के कारगिल युद्ध के बाद हुई थी, जब अमेरिका ने भारत को जीपीएस डेटा देने से मना कर दिया था। अब युद्ध की स्थिति में मिसाइलों को उनके टारगेट तक सटीक तरीके से दागने, लड़ाकू विमानों के संचालन और सैन्य ड्रोन्स को गाइड करने में यह सैटेलाइट बेहद सटीक डेटा देगा।





महाकाल श्रृंगार



महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुंड, डमरू और भांग अर्पित

अपनेतक

स्थापना दिवस पर जश्न के बीच सवालों का शोर... मध्यप्रदेश को उत्सव से ज्यादा जवाबदेही की जरूरत!

मध्यप्रदेश आज अपना 71वां स्थापना दिवस मना रहा है। सरकारी मंचों पर विकास के दावे होंगे, उपलब्धियों का बखान होगा, किसानों के कल्याण और समृद्ध प्रदेश के संकल्प दोहराए जाएंगे। लेकिन स्थापना दिवस केवल उत्सव मनाने और उपलब्धियां गिनाने का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश के बीते एक साल का हिसाब-किताब करने का दिन भी है।

विडंबना देखिए, जिस दिन प्रदेश अपनी स्थापना का जश्न मना रहा है, उसी समय सरकार पर भ्रष्टाचार, सरकारी खरीदी में अनियमितताओं और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नगरीय निकायों में 30 हजार रुपये के बल्ब और 33 हजार रुपये लीटर फिनाइल की खरीदी जैसे आरोपों ने सरकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सवाल उठाने वालों को जवाब देने के बजाय उनके साथ कैसा व्यवहार हो रहा है, यह भी लोकतंत्र की कसौटी है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने आना जरूरी है।

दूसरी तरफ आज ही दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली आयोजित हो रही है। मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं के पहुंचने का दावा है। कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, कथित वोट चोरी और मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जवाबदेही को मुद्दा बना रही है।

ऐसे में मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस एक अलग राजनीतिक परिस्थिति के बीच आया है। एक तरफ सत्ता पक्ष जश्न और विकास की तस्वीर दिखाना चाहता है, दूसरी तरफ विपक्ष सवालों और विरोध के जरिए सरकार को घेर रहा है। लेकिन इस राजनीतिक शोर में मध्यप्रदेश के असली सवाल कहीं पीछे नहीं छूटने चाहिए। किसान की आमदनी कितनी बढ़ी? युवाओं को रोजगार कितना मिला? सरकारी अस्पतालों और स्कूलों की स्थिति कितनी सुधरी? शहरों की बुनियादी समस्याओं का समाधान कितना हुआ? सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा? और सबसे महत्वपूर्ण, जनता के पैसे का इस्तेमाल कितनी ईमानदारी से हुआ?

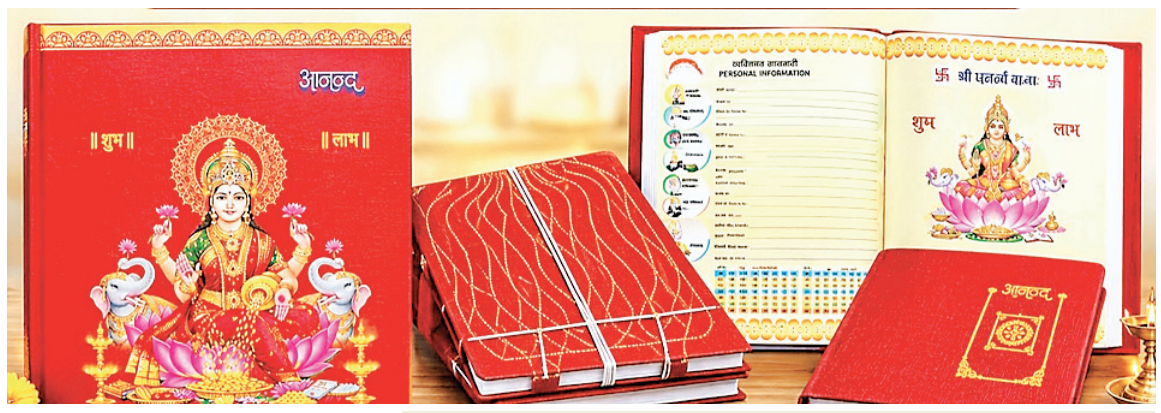
मध्यप्रदेश की स्थापना का गौरव किसी एक राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं है। यह उन करोड़ों नागरिकों की मेहनत, संघर्ष और उम्मीदों का परिणाम है, जिन्होंने इस प्रदेश को बनाया है। स्थापना दिवस पर सरकार को आलोचनाओं से बचने के बजाय सवालों का सामना करना चाहिए और विपक्ष को भी केवल विरोध नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास का ठोस वैकल्पिक दृष्टिकोण सामने रखना चाहिए।

आखिर स्थापना दिवस पर सवाल यह नहीं होना चाहिए कि किसने कितना जश्न मनाया, किसने कितनी रैली की और किसने किसे घेरा। सवाल यह होना चाहिए कि 70 वर्षों से अधिक की यात्रा के बाद मध्यप्रदेश अपने नागरिकों की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरा है। प्रदेश को नारों से नहीं, नीयत से विकास चाहिए। उत्सव से नहीं, व्यवस्था में सुधार से खुशहाली चाहिए। और सबसे बढ़कर, मध्यप्रदेश को ऐसी राजनीति चाहिए जिसमें सत्ता से सवाल पूछना अपराध नहीं, लोकतंत्र का अधिकार समझा जाए। स्थापना दिवस की असली सार्थकता तभी है, जब मध्यप्रदेश सिर्फ विकसित होने का दावा न करे, बल्कि आम आदमी को अपने जीवन में विकास महसूस भी हो।

परंपरागत बहीखाते की साख आज भी है बरकरार

व्यापार के हिसाब को समेटने का सबसे उपयोगी साधन बहीखाते ही होते हैं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



नई तकनीक के इस युग मे कम्प्यूटर व मोबाइल का चलन बडा है और इंटरनेट ने संचार के क्षेत्र मे क्रांति ला दी किन्तु व्यापार मे हिसाब को सहेजने के परंपरागत तरीके ₹ बहीखाता ₹ की साख आज भी बरकरार है। शहर के कुछ बोहरा कागजी परिवार का बहीखाते बनाने का वर्षों पुराना कारोबार है। कमरी मार्ग स्थित अब्दुल अली खानभाई कागजी की तीसरी पीढी बहीखाते विक्रय करने का व्यवसाय कर रही है। फर्म के इमरान ने बताया कि उनकी दुकान लगभग डेढ सौ साल पुरानी है और न केवल प्रदेश बल्कि आसपास के राज्यों जैसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान से भी बहीखाते के आर्डर दीपावली से कई दिनों पूर्व बुक हो जाते हैं।

कमरी मार्ग पर दुकान के पीछे ही बही बनाने का कारखाना है जिसमे दीपावली की तैयारियां लगभग दो माह पूर्व से चल रही हैं। इमरान के अनुसार पांच छः लोग मिलकर एक दस्ते से लेकर दस दस्ते तक की बही तैयार करते हैं। व्यापार मे परंपरागत बहीखाते का बहुत महत्व है। व्यापार के हिसाब को समेटने का सबसे उपयोगी साधन बहीखाते ही होते हैं। भले ही कंम्प्यूटर का डेटा स्टोरेज बहुत अधिक है और आज व्यापारी कंम्प्यूटर पर हिसाब रखने लगे हैं किन्तु इससे बही की



प्रामाणिकता व साख कम नहीं हुई। बहुत से व्यापारी बहीखाते को ही भरोसेमंद और प्रामाणिक मानते हैं और व्यापार के पूरे आंकडे बहीखाते मे ही संजोकर रखते हैं। बहीखाते का हिसाब ज्यादा सुरक्षित व प्रामाणिक है।

धनतेरस से बही खरीदने की शुरूआत

व्यापारी वर्ग धनतेरस पर नवीन बही खरीदना शुभ मानता है। इस दिन मां लक्ष्मी के सम्मुख बहीखाता रखकर विधिवत पूजा की जाती है। बही को रोली, अक्षत ,कुंकुम अर्पित करके शुभता का प्रतीक स्वस्तिक बही पर बनाया जाता है व माता लक्ष्मी से व्यापार मे समृद्धि की कामना की जाती है। कागजी ने बताया कि धन का आय व्यय रखने का सशक्त माध्यम बही के पहले पन्ने पर माता लक्ष्मी व गणेश का चित्र अंकित होता है। छोटी बही जो कापी के रूप मे हैं उनको गत्ते से जिल्द चढाई जाती है जबकि परंपरागत ज्यादा पन्नों वाली बही पर लाल कपडा सिलाई किया होता है। पंडितों की वंशावली सहेजने की बही भी बनाई जाती है जिसमे वे यजमानों के रिकार्ड रखते हैं।

थोडी मंदी आई पर भरपाई स्टेशनरी से हुई

इमरान कागजी ने चर्चा मे बताया कि बिजनेस कंप्यूटरीकृत होने से निश्चितरूप से बही की बिक्री मे मंदी आई पर फिर भी अधिकांश व्यापारी परंपरागत बही को तरजीह देते हैं। कंप्यूटरीकृत होने से स्टेशनरी का व्यापार बढा है। अब कंम्प्यूटर मे प्रयुक्त होनेवाला कागज ज्यादा बिक रहा है पहले कागज कम बिकता था। बही की मंदी की भरपाई स्टेशनरी से हुई है। दीपावली के पूर्व ही आसपास के छोटे व्यापारी थोक मे बही खरीदते नजर आ रहे हैं। कमरी मार्ग पर त्योहार की सतरंगी छटा दिख रही है जहां बोहरा समुदाय बहीखाते व सजावटी कागज व सामग्री विक्रय करके अपने सनातनी ग्राहकों की दीपावली मे अपने हुनर का सुन्दर रंग घोल रहा है।

दिल्ली में 'वोट बचाओ देश बचाओ महारैली' में शामिल होने उज्जैन से 500 कांग्रेसी रवाना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन द्वारा चलाए जा रहे वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत आज 1 नवंबर को दोपहर 12 बजे नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महारैली में शामिल होने के लिए उज्जैन से 500 कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न ट्रेनों से दिल्ली रवाना हुए। इस दौरान कार्यकताओं ने उज्जैन रेलवे स्टेशन पर वोट बचाओ, देश बचाओ की तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की।

राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन के लिए उज्जैन से दो चरणों में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली गए हैं। एक दिन पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक महेश परमार, विधायक दिनेश जैन बोस, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, वसीम, फैज मोहम्मद और जाहिद पहलवान रवाना हुए थे। इसके बाद दूसरे जत्थे में नेता प्रतिपक्ष रवि राय, संगठन मंत्री अजय राठौर, राजेंद्र व्यास, राजेश लश्करी, दुर्गेश धवन, आनंद मीणा, फिरोज पठान, भूरू गौड़, अभिषेक शर्मा, मेघा धवन, यश जैन, दीपेश जैन, प्रतीक भावसार, संदीप सूर्यवंशी, वरुण शर्मा, चंद्रभान सिंह चंदेल, रहीम लाला, सोनिया ठाकुर, पप्पू बोरासी और भेरू सिंह सिसोदिया सहित अन्य कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए।

यह राष्ट्रीय महारैली मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप, कथित वोट चोरी और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए आयोजित की जा रही है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई जाएगी।

ओपन जिम, कुश्ती, कबड्डी, रोलर स्केटिंग, जूडो-कराटे और टेबल टेनिस सहित अनेक खेलों को मिल सकती हैं सुविधाएं

फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे विकसित हो सकता है खेलों का बड़ा हब : राजेश शर्मा

इन स्थानों को योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर खेलों का बड़ा हब बनाया जा सकता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



शहर में खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास स्थल उपलब्ध कराने की दिशा में फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे उपलब्ध होने वाली खाली जगहों का उपयोग एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है। उज्जैन से इंदौर तक निमार्णाधीन फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो रहा है। इन स्थानों को योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर खेलों का बड़ा हब बनाया जा सकता है।

उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेश शर्मार्ने प्रशासन से आग्रह किया है कि फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे उपलब्ध स्थानों को खेल आरक्षित क्षेत्र घोषित कर वहां विभिन्न खेलों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं।

श्री शर्मा ने कहा कि आगामी सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन से इंदौर तक फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अंतर्गत ब्रिज के नीचे कई स्थानों पर पर्याप्त जगह उपलब्ध हो रही है। यदि प्रशासन समय रहते इन स्थानों के सदुपयोग की योजना तैयार कर ले तो उज्जैन को खेल सुविधाओं के रूप में एक बड़ी सौगात मिल सकती है। शहर के प्रमुख क्षेत्रों से जुड़े इन स्थानों को व्यवस्थित रूप से विकसित करने से खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए अतिरिक्त जगह मिलेगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

श्री शर्मा ने सुझाव दिया कि ब्रिज के नीचे जिन स्थानों पर पर्याप्त जगह उपलब्ध है, उन्हें समतल कर आवश्यकतानुसार छायादार एवं सुरक्षित बनाया जाए। यहां स्थान की उपलब्धता और तकनीकी उपयोगिता के अनुसार अलग-अलग खेलों के लिए क्षेत्र निर्धारित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर ओपन जिम, कुश्ती, कबड्डी, रोलर स्केटिंग, जूडो-कराटे, बॉक्सिंग, मलखंभ, शतरंज, लाठी,श्री ऑन श्री हॉफ कोर्ट बास्केटबॉल, 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग प्रैक्टिस रेंज, और टेबल टेनिस जैसी खेल गतिविधियों के लिए सुविधाएं विकसित करने की संभावनाओं का परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए तो खिलाड़ियों को अपने-अपने खेलों के अभ्यास के लिए बेहतर स्थान मिल सकेंगे।

मालिकाना हक साबित होने के बाद भी कोतवाली पुलिस बनी मूकदर्शक

अतिक्रमण कर रखी मूर्ति, एफआईआर के लिए दो महीने से भटक रहा पीड़ित



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कंठाल चौराहे पर सिंहस्थ के दौरान हुए सड़क चौड़ीकरण के बाद भी रहवासी की निजी दीवार पर अतिक्रमण कर लिया गया है। घर के आवागमन के लिए उपयोग होने वाली इस दीवार पर कुछ लोगों ने चबूतरा बनाकर भगवान की मूर्ति रख दी है जिससे पीड़ित परिवार का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। मामले में कोतवाली पुलिस की लापरवाही सामने आ रही है। लिखित शिकायत के दो महीने बाद भी पुलिस ने ना तो कोई एफआईआर दर्ज की है और ना ही मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया है।

कंठाल चौराहा निवासी शिकायतकर्ता के अनुसार उनकी मालिकाना हक वाली जगह और दीवार पर कालू पुजारी उसके दो बेटों आर्यन मोड़ शिव लश्करी और समोसा कचौरी वाले मनोहर खंडेलवाल ने जबरन कब्जा कर लिया है। अतिक्रमणकारियों ने बचाव के लिए एक पुराने न्यायालयीन फैसले की प्रति लगा रखी है। इस फैसले में भी स्पष्ट लिखा है कि दीवार और दरवाजा शिकायतकर्ता का ही है। उस समय वहां मंदिर का ओटला था इसलिए उस ओटले से आवागमन की मनाही थी लेकिन वर्तमान में वहां से मंदिर और ओटला पूरी तरह हट चुका है। इसके बावजूद पुलिस ने ना तो इन दस्तावेजों को देखा और ना ही अतिक्रमणकताओं को थाने बुलाकर कोई पूछताछ की।

विश्व को महर्षि पाणिनि की अद्वितीय देन है संस्कृत का ध्वनिविज्ञान

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में पांच दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा वेदांग कार्यशाला का समापन, देशभर के 180 से अधिक प्रतिभागियों ने की सहभागिता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में शिक्षा वेदांग पर केंद्रित पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग, उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. एल. अनिजवाल ने कहा कि संस्कृत का ध्वनिविज्ञान विश्व को महर्षि पाणिनि की अद्वितीय देन है। उन्होंने संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण, लेखन और संप्रेषणशीलता के महत्व को रेखांकित करते हुए संस्कृत के क्षेत्र में महर्षि पाणिनि के योगदान की जानकारी दी। साथ ही भारतीय ज्ञान-परम्परा के संवर्धन के लिए कार्यशाला में विद्वानों द्वारा कराए गए पाणिनीय शिक्षा ग्रंथ के प्रतिपद पाठ की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने की। कार्यशाला संयोजक डॉ. दुगार्शंकर अग्निहोत्री एवं आयोजन सचिव डॉ. श्रेयस श्रीधर कोरान्ने ने बताया कि कार्यशाला में कुल 10 तकनीकी और 10 व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों को पाणिनीय शिक्षा ग्रंथ का प्रतिपद अध्यापन भी कराया गया। इन सत्रों में सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी से सामवेदाचार्य डॉ. विजय कुमार शर्मा, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर से अथर्ववेदाचार्य डॉ. नारायण होसमने व यजुवेर्दाचार्य डॉ. देवेन्द्र कुमार शर्मा, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन से डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी व डॉ. पतंजलि कुमार पाण्डेय, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन से ऋग्वेदाचार्य डॉ. सत्यम् शुक्ला तथा शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इंदौर से डॉ. उमाशंकर पुरोहित सहित अनेक विद्वानों ने शिक्षा वेदांग पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेमन्त शर्मा ने किया और आभार यश शर्मा ने माना।

उज्जैन के अस्पतालों का होगा इम्पैनलमेंट, सांसद ने अधिकारियों से की चर्चा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में सीजीएचएस से संबद्ध अस्पतालों की कमी और इंदौर वेलनेस सेंटर के विस्तार की मांग को लेकर शुक्रवार को हितग्राहियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद अनिल फिरोजिया को ज्ञापन सौंपा। मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद ने मौके से ही सीजीएचएस भोपाल के सहायक निदेशक से दूरभाष पर चर्चा की और हितग्राहियों को नवंबर-दिसंबर तक दोनों मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि इंदौर वेलनेस सेंटर पर लाभार्थियों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए वहां सुविधाओं और स्टाफ का विस्तार करना अत्यंत आवश्यक है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की पुष्पांजलि

शहर कांग्रेस और माधव नगर ब्लॉक ने किया पुण्य स्मरण, देश के प्रति उनके समर्पण और संघर्ष को किया याद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वालीं भारत की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. इंदिरा गांधी का शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा पुण्य स्मरण किया गया। इस दौरान शहर कांग्रेस और माधव नगर ब्लॉक द्वारा इंदिरा प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक रहा है। उनके विचार, संघर्ष और देश के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर बैरागी, अनंत नारायण मीणा, चंद्रभान सिंह चंदेल, सुनील कछवाय, राजेश राणा, आनंद मीणा, संचित शर्मा, अभिषेक शर्मा, रहीम लाला, चैन सिंह चौधरी, वासुदेव रावल, दीनू बड़ोदिया, वरुण शर्मा, हेमंत पंवार, बाबू भाई मोयद्दी, युसूफ कमर, सोनिया ठाकुर, सीमा पटेल, रश्मि त्रिवेदी, उषा मालवीय, मुकेश चित्तौड़िया, अतुल चौहान, जितेंद्र डागरे, नौशाद भाई, जितेंद्र दुबे, मनोज त्रिवेदी, कृष्ण यादव, हरिशंकर मरमट, सतीश टटवाल सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजन

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 2 एमपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा रैली का आयोजन किया गया तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। रैली के माध्यम से कैडेट्स ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी, विद्यार्थियों ने ली एकता की शपथ

पटेल जयंती पर हुई दौड़ के पुरुष वर्ग में पृथ्वीराज और महिला वर्ग में किरण रहीं प्रथम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों विद्यार्थियों को एकता के लिए शपथ भी दिलाई गई।

कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता के लिए कई महान कार्य किए और पूरे भारत देश को एकता के सूत्र में बांधा। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र चावरे के अनुसार रन फॉर यूनिटी के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर छात्र पृथ्वीराज सिंह चौहान एवं द्वितीय स्थान पर सुरेंद्र सिंह रहे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर छात्रा किरण चौहान, द्वितीय स्थान पर भाग्यलक्ष्मी एवं तृतीय स्थान पर अंजलि ठाकुर रहीं। कुमकुम मालवीय, सलोनी उईके और नवीन लोहारिया को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. संदीप तिवारी, प्रो. राजेश टेलर, डॉ. राकेश चावरे, मोइन अली एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

उज्जैन
रविवार
01
नवम्बर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

भवन्ति नम्रस्तरवः फलोद्गमैः नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्॥

अर्थः वृक्षों पर फल आने से वे झुकते हैं (नम्र बनते हैं); पानी में भरे बादल आकाश में नीचे आते हैं; अच्छे लोग समृद्धि से गर्विष्ठ नहीं बनते, परोपकारियों का यह स्वभाव हि होता है।

खबर एक नजर...

एचआईएमएस से इलाज शुरू, 1771 मरीजों का डिजिटल पंजीयन

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में डिजिटल उपचार व्यवस्था शुरू हो गई है। एचआईएमएस (हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम) के तहत पहले दिन एमवायएच में करीब 1537 और एमटीएच महिला अस्पताल में 234 मरीजों का पंजीयन कर डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया। सुपर स्पेशिएलिटी, चाचा नेहरू बाल अस्पताल, कैंसर अस्पताल और एमआरटीबी में भी ओपीडी मॉड्यूल सक्रिय हो गया है। नई व्यवस्था में मरीज की बीमारी, डॉक्टर का परामर्श, जांच और दवाओं से जुड़ी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे मरीज के दोबारा अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर उसकी पुरानी केस हिस्ट्री देख सकेंगे। हालांकि, डिजिटल इलाज की शुरूआत फिलहाल ओपीडी तक ही सीमित है। भर्ती मरीजों का उपचार पेपरलेस करने के लिए वार्डों में कंप्यूटर और टैबलेट तक उपलब्ध नहीं हैं। नेटवर्क बिछाने के बावजूद आईपीडी मॉड्यूल शुरू करने की समय सीमा भी तय नहीं हो पाई है। एमवायएच और एमटीएच में पहले दिन कुल 1771 मरीजों का डिजिटल उपचार रिकॉर्ड तैयार किया गया। अगस्त से नए मरीजों के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू कर ट्रायल किया जा रहा था। अब इसे औपचारिक रूप से लागू किया गया है। व्यवस्था के संचालन में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए पहले दिन दोपहर में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

ऑटोमोबाइलः 10 दिन में 9 हजार से ज्यादा वाहनों की बुकिंग

इंदौर। त्योहारी सीजन में इंदौर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। रवि-पुष्य नक्षत्र, धनतेरस और दीपावली के शुभ अवसर पर खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। इसका असर ऑटोमोबाइल सेक्टर में दिखाई दे रहा है। ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार शहर में अगले 10 दिन के लिए 7 हजार से ज्यादा टू-व्हीलर और ढाई हजार से अधिक कारों की बुकिंग अब तक हो चुकी है। यानी करीब 9500 से ज्यादा वाहन लोगों ने बुक करवा लिए हैं। अब वे शुभ मुहूर्त में इन वाहनों की डिलीवरी लेने की तैयारी कर रहे हैं। सभी ऑटोमोबाइल शो रूम में इनके लिए खास तैयारियां की गई हैं। ऑटोमोबाइल कारोबारियों के अनुसार त्योहारी सीजन के इन दिनों में वाहनों की डिलीवरी का दबाव सबसे ज्यादा रहेगा। रवि-पुष्य, धनतेरस और दीपावली पर भी बड़ी संख्या में ग्राहक वाहन घर लेकर जाएंगे। कई ग्राहकों ने डेढ़ से दो महीने पहले ही पसंद के मॉडल और रंग की बुकिंग करवा ली थी। अब उन्हें डिलीवरी का इंतजार है। ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण पटेल और ज्वाइंट सेक्रेटरी विशाल पमनानी का कहना है कि इस बार त्योहारी सीजन में ऑटोमोबाइल बाजार का प्रदर्शन अच्छा रहा है। नवरात्रि, दशहरे और करवाचौथ के दौरान भी अच्छी ग्राहकी रही।

इंदौर में युवक का शव मिला पीट-पीटकर हत्या की आशंका

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक खाली मैदान में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सागर जिले के मकरोनिया निवासी संजय कुलमी के रूप में हुई है। उसके शरीर पर चोट के निशान और कपड़े फटे हुए मिले हैं। शुरूआती जांच में युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, संजय दो से तीन दिन पहले अपने एक दोस्त से मिलने इंदौर आया था। पुलिस अब उस दोस्त की तलाश कर रही है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। डीसीपी नरेंद्र सिंह रावत के मुताबिक, शुरूआती जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी माध्यमों, सीसीटीवी फुटेज और नेटग्रिड की मदद से उसकी पहचान की। जांच में सामने आया कि संजय इंदौर में अपने एक दोस्त से मिलने आया था। पुलिस उसी दोस्त की तलाश में जुटी है। उसका मोबाइल फोन फिलहाल स्विच ऑफ आ रहा है। पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस कर रही है, ताकि पता चल सके कि संजय आखिरी बार उससे कब और कहां मिला था।

कार्बाइड गन बेची या चलाई तो होगी कार्रवाई, पुलिस ने दी चेतावनी

इंदौर। दीपावली के पर्व को देखते हुए पुलिस मुस्तैद होती जा रही है। दीपावली पर कार्बाइड गन के इस्तेमाल, स्टोरेज के साथ ही इसे बेचने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी। इसे लेकर पुलिस संबंधित थाना क्षेत्र में नजर रखने के साथ ही दुकानों में भी चेकिंग करेगी। यहां तक की शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई भी करेगी। दरअसल, पुलिस ने कार्बाइडगन और इससे बने विस्फोटक सामग्री से दूर रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि कार्बाइडगन और इससे बने विस्फोटक उपकरण जानलेवा साबित हो सकते हैं। इसके इस्तेमाल, बेचने और स्टोरेज करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसका उल्लंघन करने पर संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बच्चों को भी जागरूक करने और कार्बाइड से दूरी बनाएं रखने की अपील भी की है।

हाईकोर्ट की समिति ने शुरू किया टेस्ट प्रोजेक्ट, लेफ्ट टर्न फ्री और रॉन्ग साइड पर रोक

इंदौर के 4 बड़े चौराहों पर बदलेगा ट्रैफिक का पैटर्न

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए हाई कोर्ट की ओर से गठित समिति ने चार प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक का नया प्रयोग शुरू किया है। इसके तहत रसोमा चौराहा, एलआईजी चौराहा, लेंटर्न चौराहा और हुकुमचंद घंटाघर चौराहे पर लेफ्ट टर्न को फ्री रखा जाएगा। साथ ही रॉन्ग साइड से आने वाले वाहनों पर रोक लगाई जाएगी। इन चौराहों पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने का काम भी किया जा रहा है।

शनिवार को हाई कोर्ट के अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) राहुल सेठी की अध्यक्षता में गठित सात सदस्यीय समिति की पहली बैठक हुई। इसमें प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में शहर के प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम और यातायात की मौजूदा व्यवस्था पर चर्चा के बाद चार चौराहों को टेस्ट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया। इन पर शनिवार से ही नई व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



30 नवंबर को हाई कोर्ट में होगी सुनवाई- इंदौर की यातायात व्यवस्था से जुड़ी याचिकाओं पर हाई कोर्ट में 30 नवंबर को सुनवाई प्रस्तावित है। संभावना है कि इस सुनवाई के दौरान समिति शहर में यातायात सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों और टेस्ट प्रोजेक्ट की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट पेश करेगी।

हाई कोर्ट की ओर से गठित सात सदस्यीय समिति में अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी, शासकीय अधिवक्ता डॉ. अमित भाटिया, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, इंदौर स्मार्ट सिटी के सीईओ, डीसीपी ट्रैफिक और आईआईटी दिल्ली के सिविल इंजीनियर अंशुल अग्रवाल को शामिल किया गया है। समिति के सभी सदस्यों को संबंधित विभागों के रिकॉर्ड और यातायात सुधार से जुड़े सुझावों के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

लेफ्ट टर्न पर जाम रोकने के लिए बदली व्यवस्था

एएजी राहुल सेठी ने बताया कि इन चारों चौराहों पर लेफ्ट टर्न की ओर सबसे ज्यादा जाम की स्थिति बनती है। इसे देखते हुए लेफ्ट साइड को फ्री रखने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए रॉन्ग साइड से आने वाले वाहनों को रोकने की व्यवस्था की जा रही है। चौराहों पर यातायात की गति प्रभावित करने वाले स्पीड ब्रेकर भी हटाए जा रहे हैं। समिति इस प्रयोग के परिणामों का आकलन करेगी। यदि व्यवस्था सफल रहती है तो इसे शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी लागू किया जाएगा।

पुरानी समिति की रिपोर्ट भी मंगाई, हर महीने जागरूकता अभियान पर विचार

सेठी के मुताबिक, हाई कोर्ट पहले भी शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए समिति गठित कर चुका है। उस समिति की रिपोर्ट भी वर्तमान समिति ने मंगवाई है, ताकि पहले दिए गए सुझावों और उनकी स्थिति का आकलन किया जा सके। इसके अलावा शहर में हर महीने यातायात जागरूकता अभियान चलाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। समिति की अगली बैठक 10 नवंबर को होगी।

रेडिसन-रोबोट चौराहाः फ्लायओवर निर्माण की तैयारी

लाइन शिफ्टिंग पर खर्च होंगे 13.66 करोड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

रेडिसन और रोबोट चौराहे पर फ्लायओवर निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। बाधक स्टॉर्म वाटर लाइन शिफ्ट करने के लिए निगम ने 13.66 करोड़ के खर्च का इस्टीमेट बनाया है। इसका प्रस्ताव तैयार कर एमआईसी में रखा जाएगा, लेकिन खर्च का वास्तविक आकलन करने के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण भी किया जाएगा।

आईडीए यहां दो फ्लायओवर बनाने जा रहा है। इस कारण ड्रेनेज, पानी और स्टॉर्म वाटर लाइन को हटाया जाएगा। फ्लायओवर बनाने से ज्यादा खर्च लाइनों को शिफ्टिंग पर हो रहा है। निगम के जनकार्य विभाग ने भी खर्च का हिसाब-किताब कर लिया है।

रेडिसन चौराहे पर स्टॉर्म वाटर लाइन शिफ्टिंग की लागत 5 करोड़ 52 लाख 11 हजार 800 रुपए और रोबोट चौराहे पर 8 करोड़ 14 लाख 37 हजार 47 रुपए आंकी गई है। दोनों कामों की कुल अनुमानित लागत 13 करोड़ 66 लाख 48 हजार 847 रुपए है। इस राशि का भुगतान इंदौर विकास प्राधिकरण से प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है। इससे पहले प्रस्ताव को एमआईसी में रखा जाएगा। संयुक्त निरीक्षण के बाद निविदा आमंत्रित करने और प्रशासनिक व तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।



2000 पेड़ करना होंगे शिफ्ट

दोनों फ्लायओवर के निर्माण में स्टॉर्म वाटर लाइन के अलावा पेड़, पानी और सीवरेज की लाइनें व बिजली का हाइटेंशन नेटवर्क भी बाधा है। पुराने आकलन के मुताबिक रोबोट और रेडिसन चौराहे पर फ्लायओवर के लिए करीब 1950 से 2000 पेड़ों को ट्रांसप्लांट या शिफ्ट करना होगा। इसके साथ ही करीब 400 से 500 मीटर लंबी पानी, सीवरेज और पीएनजी लाइनों को भी शिफ्ट करना प्रस्तावित है। रिंग रोड की 132 केवी हाइटेंशन बिजली लाइनों को हटाने की जरूरत भी बताई गई थी। एमआर-10, एमआर-9 और पूर्वी रिंग रोड के क्रॉसिंग पर ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए 97 करोड़ रुपए की लागत से दो ब्रिज बनाए जा रहे हैं।

एडीपीओ परीक्षा- 4 शहरों में 83 सेंटर बनाए, 33 हजार अभ्यर्थी देंगे एग्जाम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा रविवार, 1 नवंबर को आयोजित हो रही है। प्रदेश के इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में बनाए गए 83 परीक्षा केंद्रों पर करीब 33 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दोपहर 12 से 3 बजे तक एक पाली में होगी। इंदौर में सबसे ज्यादा 39 केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 16 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। भोपाल में 19 केंद्रों पर 7 हजार, ग्वालियर में 11 केंद्रों पर करीब 4 हजार और जबलपुर में 14 केंद्रों पर लगभग 1 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

3 स्तर की सुरक्षा, बायोमेट्रिक से पहचान- परीक्षा में सुरक्षा के लिए तीन स्तर की व्यवस्था की गई है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अभ्यर्थियों की पहचान बायोमेट्रिक से होगी। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान जांच भी की जाएगी। इंदौर में जीएसआईटीएस, होलकर कॉलेज, अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मालव कन्या महाविद्यालय और किला मैदान सहित प्रमुख संस्थानों में केंद्र बनाए गए हैं।

पेपर में 50 प्रश्न मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान के- परीक्षा में मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान से 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके अलावा विषय से संबंधित प्रश्न भी शामिल रहेंगे। पेपर में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान है, इसलिए अभ्यर्थियों को उत्तर देते समय सावधानी रखनी होगी। परीक्षा पहले 18 अक्टूबर को प्रस्तावित थी, जिसे संशोधित कर 1 नवंबर किया था।

इंदौर में आज मनेगा मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर रविवार को इंदौर में उत्सव और उल्लास का माहौल रहेगा। प्रदेश के स्थापना दिवस को लेकर शहर में मुख्य समारोह सहित कई आयोजन किए जाएंगे।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राजेंद्र नगर स्थित लता मंगेशकर सभागृह में जिला स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विकास कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सरकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किए जाएंगे। स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में स्कूली विद्यार्थी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इनके माध्यम से प्रदेश की कला, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। समारोह में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों की ओर से आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें विभागों की विकासात्मक गतिविधियों और उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए जाएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर इंदौर जिले के प्रमुख शासकीय भवनों को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने तैयारियां की हैं। सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मुख्य समारोह में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

इंदौर में गर्मियों के जलसंकट से निपटने की तैयारी, पार्षदों-अधिकारियों से हुई वन-टू-वन चर्चा

पानी की समस्या वाले 21 वार्डों को प्राथमिकता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में आगामी गर्मियों में संभावित जलसंकट को देखते हुए नगर निगम ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस साल कम बारिश होने के कारण गर्मियों में पानी की किल्लत की आशंका है।

शनिवार को नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों के साथ वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक में पानी की समस्या वाले वार्डों में जलापूर्ति बेहतर करने और संभावित जलसंकट से निपटने के उपायों पर मंथन किया गया।

दरअसल, इस साल इंदौर में कम बारिश हुई है। ऐसे में आने वाली गर्मियों में जलसंकट की स्थिति बन सकती है। इसे देखते हुए नगर निगम अभी से कार्ययोजना तैयार कर रहा है, ताकि गर्मियों में लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

पानी की समस्या वाले 20 से 21 वार्ड प्राथमिकता में- एमआईसी सदस्य और जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि पिछले साल शहर के बाहरी क्षेत्रों के करीब 20 से 21 वार्डों में पानी की अधिक समस्या सामने आई थी। इन वार्डों को प्राथमिकता में रखा गया है। संबंधित वार्डों के पार्षदों और अधिकारियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर आगामी गर्मियों के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें वार्डवार पानी की समस्या और उसके समाधान के संभावित उपायों पर चर्चा हुई।



बाणड़दा सहित सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष फोकस- अभिषेक शर्मा ने बताया कि शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों में बाणड़दा, पालदा, मूसाखेड़ी, द्वारकापुरी और अहिरखेड़ी सहित उन इलाकों पर विशेष चर्चा की गई, जहां पिछले साल पानी की अधिक समस्या सामने आई थी। अधिकारियों और पार्षदों से क्षेत्रवार समस्याओं की जानकारी लेकर उपलब्ध जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और जल वितरण व्यवस्था को मजबूत करने की योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य सीमित जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक पानी पहुंचाना है।

गेट का ताला तोड़ा, बाउंड्रीवॉल कूदे, सुबह फीस जमा की, दोपहर में फंदे पर मिला युवक

प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र में लाश देखकर भागे 70 मरीज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर के प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र के वॉशरूम में एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला। शव देखकर मरीज घबरा गए। केंद्र में अफरा-तफरी मच गई। यहां भर्ती 70 से ज्यादा मरीज मने गेट का ताला तोड़कर और बाउंड्रीवॉल फांदकर भाग गए।

रावजी बाजार पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अशोक नगर निवासी सचिन लोधी (23) के रूप में हुई है। घटना वाली सुबह ही परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्र में उसकी फीस जमा की थी। दोपहर में उन्हें सचिन की मौत की सूचना मिली।

सुबह नहाने गया युवक, दोबारा नहीं निकला- परिजन ने बताया- नशा मुक्ति केंद्र में सचिन सुबह नहाने की बात कहकर वॉशरूम गया था। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर सिक्योरिटी गार्ड को शक हुआ। करीब एक घंटे तक दरवाजा नहीं खुला तो गार्ड ने उसे तोड़ दिया। अंदर सचिन फंदे पर लटका मिला।



सचिन को फंदे से उतारकर एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना शनिवार दोपहर 12:30 से 1 बजे के बीच की है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए मॉच्यूर्री में रखवाया गया है।

थाना प्रभारी बोले- सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे- रावजी बाजार थाना प्रभारी मनीष मिश्र ने बताया- सचिन की मौत की खबर से केंद्र में अफरा-तफरी मच गई। मरीज बाहर भाग गए। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के भागने से केंद्र प्रबंधन के सामने स्थिति संभालने की चुनौती खड़ी हो गई।

थाना प्रभारी ने बताया- पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। केंद्र के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। भागे 70 से अधिक मरीजों की तलाश की जा रही है। पुलिस परिजन से भी संपर्क कर रही है।

परिजन ने प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए

मृतक सचिन के जीजा केशव लोधी के मुताबिक, सचिन को करीब एक महीने पहले नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। घटना की सुबह परिजन ने केंद्र में पैसे जमा किए थे। कुछ देर बाद ही उन्हें सचिन की मौत की सूचना मिली।
परिजन ने केंद्र प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि भर्ती युवक की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रबंधन की थी। सचिन की निगरानी में चूक कैसे हुई और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच होनी चाहिए।

खबर एक नजर...

मास्टर प्लान के 4 साल बाद भी यहां चौड़ीकरण नहीं

सागर। सागर का 2035 का मास्टर प्लान लागू हुए चार साल बीत गए हैं, लेकिन प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण पर अमल नहीं हो सका। कोतवाली से मोतीनगर चौराहे तक की 1500 मीटर लंबी सड़क को 12 मीटर चौड़ा करने का प्रस्ताव स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में शामिल था और टेंडर भी जारी हुआ, लेकिन बाद में इसे निरस्त कर दिया गया। वर्तमान में 4 से 7 मीटर संकरी इस सड़क पर सराफा बाजार, मुख्य थोक बाजार और प्रसिद्ध मंदिरों की श्रृंखला है। यह मार्ग शहर के 16 वार्डों (एक-तिहाई आबादी) की आवाजाही का मुख्य केंद्र है। चौड़ीकरण न होने और वन-वे नियमों के उल्लंघन से यहां रोजाना भीषण जाम लगता है, जिससे 3 मिनट की दूरी तय करने में 15 से 20 मिनट का समय बर्बाद हो रहा है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री के अनुसार, सभी पहलुओं को देखकर आगे कार्रवाई की जाएगी।

बिना मंजूरी 200केवीए ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने का काम शुरू, जेई नरवरिया निलंबित

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के करेली में बिना अनुमति और तकनीकी मंजूरी के 200 केवीए ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने का काम शुरू कर दिया गया। मामले में बिजली कंपनी ने प्रभारी कनिष्ठ अभियंता गोविंद नरवरिया को निलंबित कर दिया है। वहीं, ठेकेदार के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 138 के तहत करेली थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुताबिक, ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने के लिए 28 अक्टूबर को आवेदन दिया गया था। नियमानुसार इसके लिए प्राक्कलन तैयार कर सक्षम अधिकारी से मंजूरी लेना जरूरी था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बावजूद 30 अक्टूबर को ठेकेदार ने क्रेन की मदद से ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने का काम शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर अधीक्षण अभियंता ने सहायक अभियंता करेली ए.के. दुबे को जांच के लिए मौके पर भेजा। उन्होंने बिना मंजूरी चल रहा काम रुकवाया और ठेकेदार के उपकरण जब्त कराए। इसके बाद ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने का काम रोक दिया गया। कार्यपालन अभियंता की जांच रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कंपनी प्रबंधन ने गोविंद नरवरिया को निलंबित करने का आदेश जारी किया। नरवरिया करेली शहर वितरण केंद्र में वरिष्ठ लाइन परिचारक और प्रभारी कनिष्ठ अभियंता के पद पर तैनात थे।

हाई कोर्ट ने कहा संविदा कर्मियों का दावा मनमाने ढंग से खारिज नहीं कर सकते

ग्वालियर। संविदा कर्मचारी को नियमित होने का स्वतः अधिकार भले न हो, लेकिन संस्थान उसका दावा मनमाने तरीके से खारिज नहीं कर सकता। पहले के मूल्यांकन में काम संतोषजनक बताया गया है तो बाद में प्रदर्शन औसत या खराब मानने का कारण भी स्पष्ट करना होगा। हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान का 2 सितंबर 2013 का आदेश रद्द कर दिया है। मामला प्रशासनिक अधिकारी प्रियंका चौहान के नियमितीकरण के दावे से जुड़ा है। जस्टिस आनंद सिंह बहरावत ने कहा कि संस्थान को तर्कसंगत आधार बताना होगा। प्रियंका की संविदा समय-समय पर बढ़ाई गई थी। बाद में समिति ने शुरूआती तीन अवधियों का प्रदर्शन औसत और चौथी का खराब माना। इसी आधार पर नियमितीकरण से इनकार किया गया था।

पूर्व सांसद पीछा कर बेतवा घाट पहुंचे; 5 पनडुब्बी 5 डंपर जब्त कराए

अशोकनगर। रेत माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि धड़ल्ले से बेतवा नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एवं भाजपा से पूर्व सांसद केपी यादव जब 30 अक्टूबर को मुंगावली जा रहे थे, तभी ओवरलोड रेत से भरे डंपर ने उनकी गाड़ी को जोरदार कट मार दिया। संदिग्ध लगने पर जब गाड़ी रुकवाकर पूछताछ की गई, तो चालकों ने ठसक के साथ कुबूल किया कि वे अवैध रेत ले जा रहे हैं। इसके बाद पूर्व सांसद जब सीधे बेतवा नदी के मल्हारगढ़ घाट पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर चौंक गए- नदी के बीचों-बीच 5 पनडुब्बियां (बोट मशीनें) लगाकर बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था।

घटना के बाद केपी यादव ने तत्काल कलेक्टर, एसपी, माइनिंग अधिकारी और माइनिंग के प्रमुख सचिव को फोन लगाकर स्थिति की जानकारी दी। यादव ने आरोप लगाए कि प्रशासनिक अमला मुंगावली में ही मौजूद होने और घाट महज 30 मिनट की दूरी पर होने के बावजूद करीब 4 घंटे तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

कम रजिस्ट्रियां होने पर 2 पटवारियों की वेतनवृद्धि रोकी

छतरपुर। स्वामित्व योजना में लक्ष्य से कम रजिस्ट्रियां होने पर छतरपुर और नौगांव में पांच पटवारियों पर कार्रवाई की गई है। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर एसडीएम ने यह कार्रवाई की। छतरपुर एसडीएम राजललन बागरी ने हल्का गोरा के पटवारी रोहित नायक की दो वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए हैं। गोरा और लहेरा में 401 रजिस्ट्रियां कराने का लक्ष्य था, लेकिन समीक्षा में सिर्फ 28 रजिस्ट्रियां हुईं।

उमरबन में मक्का-तुअर के खेत में बुआई;

ड्रोन से 25 करोड़ की 67 क्विंटल गांजा फसल पकड़ी

40 जवानों ने 24 घंटों में उखाड़े पौधे, 4 गिरफ्तार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मनावर



धार जिले के उमरबन में पुलिस ने ड्रोन की मदद से गांजे की अवैध खेती का पता लगाया। अब तक करीब 67 क्विंटल यानी 6,700 किलो गांजे के पौधे जब्त किए जा चुके हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 25 करोड़ रुपए बताई गई है। मामले में चार आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चला रही है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में चलाया जा रहा है।

धार जिला उप पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने शनिवार शाम बताया कि ड्रोन से जंगलों, दुर्गम पहाड़ी इलाकों और खेतों का हवाई सर्वे किया जा रहा है। संदिग्ध जगहों की पहचान के बाद पुलिस टीमें वहां पहुंचकर जांच और कानूनी कार्रवाई कर रही हैं। मनावर थाना क्षेत्र में पिछले 48 घंटे से ड्रोन से निगरानी और तलाशी अभियान चल रहा है। पुलिस की कार्रवाई शनिवार को भी जारी रही। गांजे के पौधों को 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर मनावर लाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों की खेती, उत्पादन, बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उमरबन में गांजे की खेती मक्का, कपास और तुअर की फसल के बीच की जा रही थी। पौधों को तैयार करने के लिए खेतों में सिंचाई भी की जा रही थी।

फसल लहलहा रही थी और इसके तैयार होने में करीब 15 दिन बाकी थे। इससे पहले ही पुलिस ने शुक्रवार और शनिवार को दबिश देकर पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया। उमरबन ब्लॉक के ग्राम बड़िया और मंडावदा में यह कार्रवाई की गई।

40 जवानों ने 24 घंटे में उखाड़े पौधे- खेतों में सिंचाई के कारण जमीन में काफी नमी थी। ऐसे में पौधों को उखाड़कर खेतों से बाहर निकालने में पुलिसकर्मियों को करीब 24 घंटे लगे। कार्रवाई में तीन टीआई, चार एएसआई और 40 जवान शामिल थे। धार जिले में इस तरह की यह पहली कार्रवाई बताई गई है।

पहचान छिपाकर होटल में हिन्दू युवती संग रुका रिजवान, रतलाम में करवाचौथ की पूजन सामग्री रखी मिली

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रतलाम

रतलाम शहर के होटल हीरा पैलेस में फर्जी पहचान पत्र देकर कमरा लेने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रिजवान खोखर ने शैलेंद्र उपाध्याय के नाम का आधार कार्ड देकर कमरा बुक कराया था। 29 अक्टूबर को करवाचौथ की रात वह एक हिंदू युवती के साथ होटल में रुका था। बजरंग दल कार्यकताओं की सूचना पर पुलिस ने होटल पहुंचकर जांच की तो कमरे में युवती मिली। वहां करवाचौथ पूजन सामग्री भी रखी थी। शनिवार रात यह मामला सामने आया। पुलिस ने युवक के साथ होटल मालिक और संचालक के खिलाफ भी केस दर्ज किया है।

घटना थाना औद्योगिक क्षेत्र के होटल हीरा पैलेस की है। पुलिस के मुताबिक, होटल के एंट्री रजिस्टर में ठहरने वालों के नाम-पते दर्ज नहीं थे। उसमें केवल मोबाइल और आईडी नंबर लिखे मिले। जांच में कमरा नंबर 206 की बुकिंग के लिए शैलेंद्र उपाध्याय के नाम का आधार कार्ड जमा होना सामने आया। पूछताछ में युवक की पहचान रिजवान खोखर (30 पिता अनीस खोखर, निवासी 82 कलाईगर रोड घास बाजार रतलाम के रूप में हुई। बजरंग दल कार्यकताओं की सूचना पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, महिला डीएसपी गायत्री सोनी और औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी अमित कोरी पुलिस टीम के साथ होटल पहुंचे। दरवाजा खुलवाने पर कमरे में युवक के साथ युवती मिली। तलाशी के दौरान करवाचौथ की पूजन सामग्री भी मिली। पुलिस दोनों को थाने ले आई।

भोपाल पहुंचे गोविंदा बोले- राजनीति मुझे रास नहीं आई

बोल्ड कंटेंट के सवाल पर कहा- जो नहीं देख सकते, वे वेब सीरीज न देखें

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल



बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा शनिवार को भोपाल के इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों, अभिभावकों और मीडिया से बातचीत की। समसामयिक मुद्दों पर सवालों के जवाब देते हुए गोविंदा ने जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों, सोशल मीडिया के जरिए युवाओं की अभिव्यक्ति, वेब सीरीज के कंटेंट, राजनीति और भारतीय सिनेमा पर अपनी बात रखी। जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों को लेकर पूछे गए सवाल पर गोविंदा ने कहा कि युवाओं को यह समझना जरूरी है कि वे जो कर रहे हैं, उसके पीछे किसकी सोच और प्रेरणा है। उन्होंने कहा, 'जिस उम्र में आप हैं, वहां अपनी मां से पूछिए कि मैं जो कर रहा हूं, क्या वह सही है। जिस बच्चे में पढ़ने-लिखने के बावजूद यह समझने की क्षमता है कि वह जो कर रहा है, वह सही है या नहीं, उसे यह भी समझना जरूरी है कि यह राजनीति है। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या वे जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करते हैं, तो उन्होंने किसी एक शब्द में जवाब देने से परहेज किया।

गोविंदा बोले- मुझे एक सवाल में मत अटकाइए। मैं यह कह रहा हूं कि ये बच्चे जहां भी हैं और जो कर रहे हैं, उन्हें उसके पीछे की परिस्थितियों को भी समझना चाहिए। इस दौरान सवाल-जवाब में कई बार तीखी नोकझोंक भी हुई। जेन जी शब्द को लेकर भी गोविंदा खुश नहीं थे, गोविंदा ने पत्रकारों से पूछ लिया कि क्या आपको जेन-जी शब्द पसंद है, ये कहां से प्रकट हुआ है?

भारतीय सिनेमा की पहचान और बॉलीवुड शब्द को लेकर गोविंदा ने कहा कि उन्हें बॉलीवुड शब्द पसंद नहीं है। उन्होंने अमिताभ बच्चन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भी यह शब्द पसंद नहीं है। गोविंदा के मुताबिक, भारतीय सिनेमा को सिर्फ बॉलीवुड शब्द तक सीमित करके नहीं देखना चाहिए। देश से विश्वस्तरीय सिनेमा बनना चाहिए।

जो नहीं देख सकते, वे वेब सीरीज न देखें

वेब सीरीज में बढ़ते बोल्ड और आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर पूछे गए सवाल पर गोविंदा ने कहा कि हर तरह के दर्शकों के लिए अलग-अलग तरह का कंटेंट बनता है। यदि किसी को कोई कंटेंट पसंद नहीं है या वह परिवार के साथ बैठकर नहीं देख सकता, तो उसे नहीं देखना चाहिए। उन्होंने कहा- जो नहीं देख सकते, वो नहीं देखें। राजनीति में अपनी पारी और सांसद रहने के अनुभव पर गोविंदा ने कहा कि राजनीति उन्हें रास नहीं आई। उन्होंने कहा कि वे राजनीति से बियॉन्ड रहे हैं और उन्हें राजनीति शब्द ही अच्छा नहीं लगता।

कम बारिश के चलते धार के सभी 13 विकासखंड जल अभावग्रस्त घोषित

बिना अनुमति बोरवेल खनन पर रोक;



ब्रह्मास्त्र ▸▸ मनावर

कम बारिश और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए धार कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राजीव रंजन मीना ने जिले के सभी 13 विकासखंडों को जल अभावग्रस्त घोषित किया है। शनिवार को जारी आदेश के तहत बिना अनुमति नलकूप और बोरवेल खनन पर रोक लगाई गई है। यह आदेश 30 जून 2027 तक या पर्याप्त बारिश होने तक लागू रहेगा। आदेश के मुताबिक, वर्ष 2026 में जिले में अब तक 495 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि 2025 में 863.60 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस साल सामान्य औसत 833.10 मिलीमीटर की तुलना में बारिश 40.58 प्रतिशत कम रही है।

कम बारिश के कारण भूजल स्तर गिरा है और कई पेयजल स्रोतों पर असर पड़ा है। आगामी गर्मी में पेयजल संकट की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह कदम उठाया है। आदेश में धार, नालछा, बदनावर और धरमपुरी को अतिदोहित क्षेत्र बताया गया है। तिरला और मनावर अर्द्धदोहन क्षेत्र में शामिल हैं। जिले के बाकी सात विकासखंडों में भी जल अभावग्रस्त क्षेत्र से जुड़े नियम लागू रहेंगे।

पेयजल और घरेलू उपयोग के लिए एसडीएम देंगे अनुमति

प्राधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी काम के लिए नलकूप या बोरवेल नहीं खोदा जा सकेगा। पेयजल और घरेलू उपयोग के लिए अनुमति संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी देंगे। जल स्रोतों से सिंचाई, औद्योगिक और अन्य कामों के लिए पानी लेने पर भी अधिनियम के नियमों के तहत रोक रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत पहली बार 5 हजार रुपए और हर बाद के अपराध पर 10 हजार रुपए जुमार्ना या दो साल तक की जेल हो सकती है।

हजारों लोगों से करोड़ों जुटाए

ऑरोरा एक्स कंपनी मामले में दो पर एफआईआर

40 दिन में रुपए डबल करने का देते थे झांसा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भिंड

भिण्ड में 40 दिन में रकम दोगुनी करने का सपना दिखाकर हजारों लोगों से करोड़ों रुपए जुटाने वाली ऑरोरा एक्स कंपनी के खिलाफ आखिरकार सिटी कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। कंपनी के झांसे में आकर भिंड शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों निवेशकों ने अपनी जमा पूंजी लगा दी थी।

कंपनी ने हाउसिंग कॉलोनी में कार्यालय खोलकर और शहरभर में बैनर लगाकर अपना प्रचार किया था। बेरोजगार युवाओं को रोजगार का लालच देकर भी लोगों को अपने नेटवर्क से जोड़ा गया। अब कंपनी कारोबार समेटकर गायब हो चुकी है और निवेशकों की लाखों-करोड़ों रुपए की रकम फंसी हुई है।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अनीता गुर्जर ने बताया कि भरौली निवासी विक्की सिंह राजावत की शिकायत पर ऑरोरा एक्स कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। कंपनी लोगों को 40 दिन में रकम दोगुनी करने का भरोसा दिलाती थी। इसके लिए निवेशकों को एक मोबाइल एप दिया गया था, जिसके जरिए डॉलर ट्रेडिंग के माध्यम से कमाई होने का दावा किया जाता था। निवेशकों को एप में अपनी रकम लगाने और उससे मुनाफा कमाने का लालच दिया गया था।

14 अक्टूबर से बंद होने लगी थी निकासी

कंपनी की गतिविधियों पर सवाल तब उठने लगे, जब 14 अक्टूबर से निवेशकों की रकम निकालने पर रोक लगना शुरू हो गई। पहले कंपनी ने एप में तकनीकी अपडेट का हवाला दिया। इसके बाद निवेशकों को ट्रेडिंग और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर लगातार इंतजार कराया जाता रहा। 23 अक्टूबर तक रकम निकासी शुरू होने का भरोसा दिया गया, लेकिन इसके बाद भी निवेशकों को पैसा वापस नहीं मिला। बाद में कंपनी ने साइबर अटैक का हवाला देकर अपना कारोबार समेट लिया।

सांसद रोडमल नागर ने विपक्ष पर निशाना साधा:बोले- मोदी सरकार के विकास कार्यों से विपक्ष परेशान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ सारंगपुर

पचोर में शनिवार देर रात ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्न विषय पर नागरिक गोष्ठी हुई। सांसद रोडमल नागर ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित करने और अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। सांसद रोडमल नागर ने कहा कि पहले देश में बिजली और सड़कों की स्थिति अलग थी, लेकिन अब इनमें बदलाव आया है। उन्होंने किसानों को बिना ब्याज ऋण, गरीबों को आवास और शौचालय जैसी सुविधाएं देने का भी जिक्र किया। नागर ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल और विदेशी ताकतें मिलकर देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। सांसद ने नागरिकों से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए अपने स्तर पर योगदान देने की अपील की। राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता पाने का माध्यम नहीं, बल्कि अधिकारों के सम्मान और संवैधानिक व्यवस्था का नाम है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जरिए हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया है।

स्पीड के बीच पिसता बुंदेलखंड का जंगल एनएच-44 बना तेंदुओं का डेथ हाईवे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ सागर

बुंदेलखंड के सागर जिले के उत्तर और दक्षिण वन मंडल का जंगल वन्यजीवों खासकर तेंदुओं के लिए डेथ ट्रैप (मौत का जाल) बन चुका है। दैनिक भास्कर की पड़ताल में सामने आया है कि पिछले 2 साल में जिले में 7 तेंदुओ की मौत हुई हैं। इनमें 5 की मौत नेशनल हाईवे 44 पर वाहनों की टक्कर से हुई। प्रोफेशनल शिकारी भी यहां काफी सक्रिय हैं। दक्षिण वन मंडल के ढाना रेंज में करंट से बाघ के शिकार मामले में जांच ही आगे नहीं बढ़ी। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सहित जिले के जंगलों में 80 से अधिक तेंदुओं की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है। इनकी तादाद लगातार बढ़ रही है, लेकिन सुरक्षा को लेकर न तो कोई ठोस कार्ययोजना है और न ही जिम्मेदार गंभीर हैं। उत्तर और दक्षिण वन मंडल से होकर गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-44 मालथौन से नरसिंहपुर तक लगभग 162 से 170 किलोमीटर के दायरे में फैला है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस (1 नवम्बर) पर विशेष

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का विकास

▸▸ सुरेश पचौरी



भारत का हृदय कहा जाने वाला मध्यप्रदेश एक नवम्बर 1956 को अस्तित्व में आया, अतः यह दिन मध्यप्रदेश के निवासियों के लिए अत्यंत अहम है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर तथा झीलों की नगरी कहे जाने वाले भोपाल को प्रदेश की राजधानी बनाया गया। म.प्र. को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष वरदहस्त एवं मार्गदर्शन प्राप्त है। डबल इंजन की सरकार में प्रदेश की तस्वीर व तकदीर बदलने की दिशा में जो कल्याणकारी कदम उठाये जा रहे हैं, उससे प्रदेश निरंतर विकास पथ पर गतिमान है। अनेक विविधताओं को अपने में समेटे म.प्र. में प्रचुर वन संपदा, अथाह जल से भरपूर नदियां, विपुल खनिज भंडार, खूबसूरत पर्यटन स्थल, अनेक धार्मिक- सांस्कृतिक केन्द्र, पुरातात्विक धरोहर आदि विद्यमान हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश के नव निर्माण के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उनकी पूरी टीम प्रदेशवासियों की सेवा करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है।

केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी म.प्र.

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देशन में म.प्र. तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में म.प्र. देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जैविक खेती, मसाला उत्पादन, प्रधानमंत्री आवास योजना व मप्र पीएम स्व निधि योजना के क्रियान्वयन तथा दलहन उत्पादन में म.प्र. देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 10 लाख स्वीकृत आवासों में से अब तक 9 लाख आवास निर्मित हो चुके हैं। गेहूं उपार्जन के मामले में, तिलहन उत्पादन में और फूलों की खेती में म.प्र. देश में दूसरे स्थान पर है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश को मिले आठ राष्ट्रीय पुरस्कार स्वच्छता के प्रति नगरीय निकायों और नागरिकों के प्रयासों का प्रमाण हैं। 35 वर्षों बाद म.प्र. का नक्सलमुक्त होना, आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से म.प्र. में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर उतर चुके हैं।

गरीब कल्याण: प्रदेश के गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और नारियों के लिए म.प्र. सरकार द्वारा उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश के 1.33 करोड़ गरीब परिवारों के लिए निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। 6 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के माध्यम से प्रति माह 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को पेंशन का वितरण किया जा रहा है और संबल योजना से 1.84 करोड़ से अधिक भाई-बहन जुड़े हैं। स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक देने के लिए स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन निःशुल्क करने का निर्णय सराहनीय है।

युवा सशक्तिकरण: प्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्णय लिया है कि वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। युवाओं के लिए 31 मार्च, 2026 से नशे के खिलाफ तीन वर्ष का देशव्यापी नशामुक्त अभियान चलाने का लक्ष्य तय किया गया है। पिछले पौने तीन वर्षों में 85 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्व रोजगार, स्टार्टअप, खेल एवं नेतृत्व विकास पर फोकस किया जा रहा है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन किया गया है।

अन्नदाता किसान: म.प्र. के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कृषि क्षेत्र में 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। समर्थन मूल्य पर लगभग 14 लाख से अधिक किसानों के द्वारा गेहूं का विक्रय किया गया, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 11,608 करोड़ रुपये से अधिक स्वीकृत किये गये। आपदा प्रभावित किसानों को 2,106 करोड़ रुपये से अधिक सहायता राशि प्रदान की गई। ई पंजीयन व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। किसानों को पांच रुपये में बिजली का स्थायी कनेक्शन मिल रहा है।

नारी शक्ति: विधानसभा में म.प्र. समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) के समर्थन में ऐतिहासिक संकल्प पारित किया गया है। महिलाओं के कल्याण से जुड़ी लाड़ली लक्ष्मी योजना से 53 लाख 55 हजार से अधिक बहन-बेटियां लाभान्वित हो रही हैं एवं 15 लाख से अधिक बेटियों को एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति मिली है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक बहनों को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है और अब तक 63,248 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। पांच लाख से अधिक स्व सहायता समूहों के माध्यम से 65 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं और प्रदेश में साढ़े पंद्रह लाख लखपति दीदी लाभान्वित हुई हैं। म.प्र. में शासकीय नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

मध्यप्रदेश के निवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश से आत्मीय लगाव है। उनका जब भी मध्यप्रदेश आगमन होता है तो वे प्रदेश को बड़ी सौगात देकर ही जाते हैं। मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के सुअवसर पर प्रदेशवासियों की खुशहाली व सुख-समृद्धि के लिए हार्दिक मंगल कामनाएं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में खुली लाइब्रेरी, लॉन्च इवेंट में पहुंचे करीना-सैफ और शाहिद-मीरा

मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आज से द लाइब्रेरी की शुरूआत हो गई है।



द लाइब्रेरी ऐसी जगह है, जहां किताबें, बेहतरीन खाना और संस्कृति एक साथ मिलते हैं। शनिवार को इसके लॉन्च इवेंट में कई बॉलीवुड सेलेब्स पहुंचे। सैफ अली खान और करीना कपूर साथ नजर आए। शाहिद कपूर पत्नी मीरा कपूर के साथ पहुंचे। काजोल अपनी बेटी न्यासा देवगन के साथ नजर आईं। विक्रांत मैसी और राजकुमार राव ने भी इवेंट में शिरकत की। इस नई जगह को किताबों और नए विचारों में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए तैयार किया गया है। यहां लोग अपनी पसंद की किताबें पढ़ सकेंगे। साथ ही, बातचीत और क्रिएटिव वर्कशॉप जैसी गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। इसका मकसद पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और लोगों को कला-संस्कृति से जोड़ना है। यहां किताबें पढ़ने के साथ खाने और साथ समय बिताने का अनुभव भी मिलेगा। ह्यद लाइब्रेरीह्ल 1 नवंबर से आम लोगों के लिए खुल गई है। यहां कविता पाठ, कहानी सुनाने के सत्र, बुक क्लब, क्रिएटिव वर्कशॉप और परिवारों के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

ऐश्वर्या @53: मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर बनीं ग्लोबल स्टार

श्वर्या राय बच्चन आज अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीतने से पहले ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने पढ़ाई और मिस इंडिया प्रतियोगिता को प्राथमिकता दी। इसके बाद उन्होंने तमिल और हिंदी फिल्मों से करियर शुरू किया। 'हम दिल दे चुके सनम', 'ताल' और 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल किया।

वहीं, 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस', 'द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज', 'प्रोवोक्ड', 'द लास्ट लीजन' और 'द पिंक पैंथर 2' जैसी अंग्रेजी फिल्मों से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। उन्हें 'ट्रॉय', 'रश ऑवर' और विल स्मिथ की कुछ फिल्मों के ऑफर भी मिले, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के कारण उन्होंने ये फिल्में नहीं कीं।

एक दौर में कान्स से हॉलीवुड तक चर्चा में रहने वाली ऐश्वर्या के करियर में अब फिल्मों की संख्या काफी कम हो गई है।

मिस वर्ल्ड बनने से पहले ही मिले थे चार फिल्मों के ऑफर

ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी सफर मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद शुरू नहीं हुआ था। फिल्मों में आने से पहले ही वह मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बना चुकी थीं। 1991 में उन्होंने फोर्ड सुपरमॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद वह कई बड़े ब्रांड के विज्ञापनों और फैशन मैगजीन में नजर आईं।



1990 के दशक की शुरूआत में ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। 2012 में वोग इंडिया को दिए इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड प्रतियोगिताओं में शामिल होने से पहले उन्हें कम से कम चार फिल्मों के प्रस्ताव मिल चुके थे।

ऐश्वर्या ने बताया था कि उस समय उन्होंने फिल्मों में आने के बजाय मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया। वह कुछ समय फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहकर करियर के दूसरे विकल्प देखना चाहती थीं। बताया था कि अगर वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में शामिल नहीं होतीं, तो आमिर खान के साथ 'राजा हिंदुस्तानी' उनकी पहली फिल्म हो सकती थी। 1996 में आई इस फिल्म में बाद में करिश्मा कपूर नजर आईं। ऐश्वर्या के मुताबिक, वह पढ़ाई बीच में छोड़कर फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। उन्हें लगता था कि उनके फैसले का असर उन युवाओं पर पड़ सकता था, जो उन्हें अपना आदर्श मानते थे। वह नहीं चाहती थीं कि उनकी सफलता देखकर लोग पढ़ाई छोड़कर सीधे ग्लैमर की दुनिया में आने का फैसला करें।

ऐश्वर्या राय ने जनवरी 1994 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। वह इस प्रतियोगिता में सुष्मिता सेन के बाद दूसरे स्थान पर रही थीं। नवंबर में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सन सिटी में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रतियोगिता में 86 देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। ऐश्वर्या ने मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीता। वह रीता फारिया के बाद मिस वर्ल्ड बनने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं।

फाइनल में उनसे पूछा गया था कि उनके मुताबिक मिस वर्ल्ड में कौन-से गुण होने चाहिए। ऐश्वर्या ने जवाब में करुणा, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रीयता, रंग तथा सामाजिक हैसियत से ऊपर उठकर इंसान को देखने की बात कही थी। इस जवाब

आप बुरे आदमी हो

यश रावण का किरदार निभा रहे हैं, यह जान बेटा हुआ था हैरान, बोला- आप ऐसा कैसे कर सकते हो?



साउथ सुपरस्टार यश फिल्म रामायण में रावण का किरदार निभा रहे हैं। यश ने हाल ही में बताया कि उनके बेटे यथर्व को यह जानकर हैरानी हुई कि उनके पिता रावण का किरदार निभा रहे हैं। यश ने बताया कि फिल्म की तैयारी के दौरान उनके और बेटे के बीच यह बातचीत हुई।

यश ने कहा, मेरा बेटा जानता है कि उसके पिता हीरो हैं, लेकिन अब उसे रामायण की कहानी भी पता है। यश ने बताया कि बेटे ने पूछा, आप रावण हैं? इस पर यश ने कहा कि यह असल जिंदगी नहीं, सिनेमा है।

इस पर उनके बेटे ने कहा, नहीं, आप बुरे आदमी हैं। आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? एक्टर ने बताया, फिर मैंने उसे समझाया कि यह एक्टिंग है। हमें कहानी दिखानी है। मैंने उसे तस्वीरें और ड्रॉइंग भी दिखाईं। हमें पूरी कहानी दिखानी होगी, तभी वह इसे समझ पाएगा।

यश ने बेटे को राम और रावण का फर्क समझाया

यश ने बताया कि उन्हें बच्चों को अभिनेता और किरदार के बीच का फर्क समझाना पड़ा। उन्होंने कहानी का बड़ा मतलब और भगवान राम को आदर्श मानने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बेटे को बैठाकर समझाया कि इस कहानी में तुम्हें भगवान राम को आदर्श मानना चाहिए। सभी को राम के रास्ते पर चलना चाहिए। यश ने आगे कहा, रावण भले ही भव्य, शक्तिशाली और प्रभावशाली नजर आए, लेकिन जिंदगी में सच्ची और स्थायी जीत तभी मिलती है, जब इंसान राम जैसी धार्मिकता अपनाता है।

यश ने बेटे से यह भी कहा, तुम थिएटर में एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए खुशी मना सकते हो, लेकिन किरदार को अपना आदर्श मत समझना।

बेटे ने पूछा- क्या आप अंत में मर जाते हैं?

बातचीत के दौरान यश के बेटे ने पूछा कि कहानी के अंत में रावण हारता और मरता है या नहीं। यश ने बताया, फिर उसने पूछा, क्या आप अंत में मर जाते हैं? क्या आप हार जाते हैं? यह सवाल मुश्किल था। उन्होंने कहा, जब मैं यह फिल्म कर रहा था, तब मैंने अपने फैंस के बारे में जरूर सोचा था। लेकिन मैंने यह नहीं सोचा था कि मेरा बेटा मुझसे ऐसे सवाल पूछेगा। यश ने कहा कि अपने बेटे को एक्टर और ड्रामैटिक किरदार के बीच का अंतर समझाना उनके लिए एक खास अनुभव था।

'नगीना' के श्रीदेवी वाले लुक में दिखीं जाह्नवी

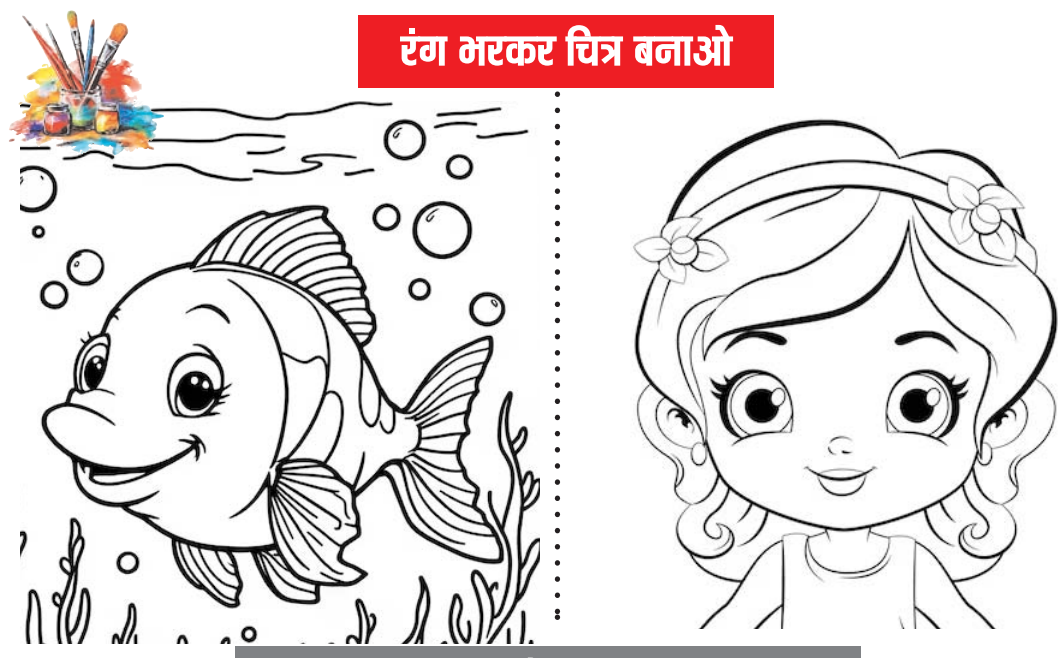


एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर शनिवार को हैलोवीन के मौके पर अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के आइकॉनिक लुक में नजर आईं। उन्होंने 1986 में रिलीज हुई श्रीदेवी की फिल्म नगीना के पोस्टर वाला लुक अपनाया। जाह्नवी ने श्रीदेवी का किरदार निभाया, जबकि ओरी ने दिवंगत ऋषि कपूर का लुक अपनाया। दोनों ने फिल्म के कुछ यादगार पलों को फिर से पेश किया। जाह्नवी ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला आउटफिट और गुलाबी घूंघट पहना। पोस्टर और शूट डायरी की कुछ झलकियों में दोनों पुराने पलों को दोहराते दिखे। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, ह्लहैप्पी हैलोवीन। दुनिया के सबसे आइकॉनिक फिल्मी पलों में से एक को दोहराना जरूरी था। उन्होंने आगे लिखा, हैलोवीन पर लोग अपने पसंदीदा किरदारों और पॉप कल्चर के पलों जैसा तैयार होते हैं। कभी यह डरावना होता है, कभी मजेदार और कभी किसी को श्रद्धांजलि देने जैसा। एक्ट्रेस ने यह भी लिखा, मम्मा, ऋषि अंकल और अमरीश सर से ज्यादा आइकॉनिक कौन हो सकता है?

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ

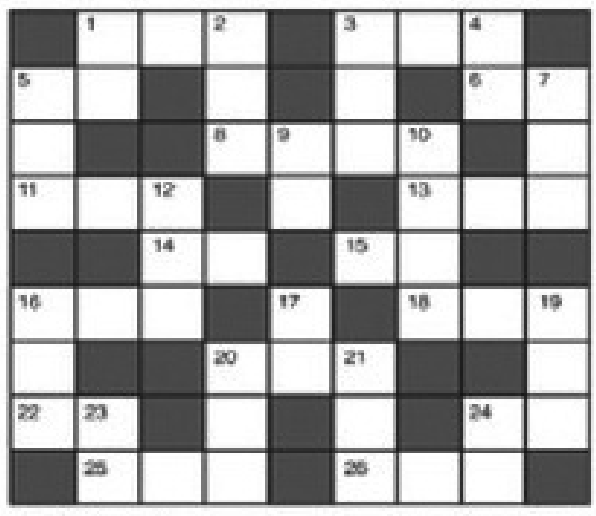


जोक्स

मास्टर जीः सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्रः किताब में
मास्टर जीः कैसे?
छात्रः क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है

टीचरः तुमने कभी कोई अच्छा, नेक काम किया है ?
छात्रः हाँ सर कल ही तो एक बुजुर्ग, धीरे -धीरे अपने घर जा रहे थे मैंने उनके पीछे कुत्ता लगा दिया वो बहुत जल्दी घर पहुँच गए !!

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत-3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण-2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचल-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात-3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

माथा पच्ची

100		4		2		30	=	20
	■		■		■		■	
30		2		2		20	=	50
	■		■		■		■	
50		25		5		2	=	60
	■		■		■		■	
2		20		3		4	=	23
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10		11		15		16	=	22

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल



शब्दजाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्ले, सचिन, बाइचुंग, भूटिया, गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति

अष्टयोग

5	3			1		
	33	2	32		28	
1		7		4		3
6	33		42		31	6
			6		5	1
7	27	3	35	5	40	
	5			6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

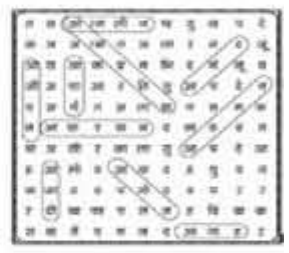
माथा पच्ची का हल

29	+	45	-	9	-	12	=	53
+	■	-	■	+	■	+	■	-
59	-	20	+	6	-	20	=	25
+	■	-	■	+	■	-	■	+
2	x	20	-	20	+	25	=	45
-	■	x	■	-	■	+	■	-
50	•	2	x	2	-	25	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40	-	10	+	33	-	32	=	51

अष्टयोग का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	28	3	35	5	34	7
4	5	1	3	7	2	6
7	34	6	26	2	33	3
3	6	2	4	1	7	5
5	30	4	33	6	32	1
2	1	7	6	3	5	4

शब्दजाल का हल



सूडोकू नवताल-

मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

सूडोकू नवताल का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

इजराइल- किसी को बहुमत नहीं, सीधे पीएम चुनने पर विचार

30 साल में अब तक 3 बार ऐसा हुआ; नेतन्याहू को हटाने विपक्ष नया रास्ता तलाश रहा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तेल अवीव

इजराइल में प्रधानमंत्री चुनने का तरीका बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। नेतन्याहू के विरोधी दल सीधे प्रधानमंत्री चुनने की पुरानी व्यवस्था वापस लाने पर विचार कर रहे हैं। इसके तहत जनता सांसदों और पार्टियों को वोट देने के अलावा सीधे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को भी चुन सकेगी।

दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गुट को बहुमत नहीं मिला। नेतन्याहू के समर्थन वाले दलों को 53 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिलीं। वहीं, अरब पार्टियों के खाते में 19 सीटें आईं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। विपक्ष के पास अरब पार्टियों को मिलाकर 67 सीटें हैं, लेकिन उसके कई नेता अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में सरकार बनाने का रास्ता मुश्किल हो गया है। इसी गतिरोध को खत्म करने के लिए विपक्ष सीधे प्रधानमंत्री चुनने की व्यवस्था पर विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री चुनने का तरीका बदलने के लिए सरकार से जुड़े मूल कानून में संशोधन करना होगा। इसके लिए संसद के कम से कम 61 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। हालांकि, अभी इस प्रस्ताव पर अंतिम सहमति नहीं बनी है। इसे संसद में पेश भी नहीं किया गया है।



पहले भी सीधे चुना जाता था प्रधानमंत्री

इजराइल में यह व्यवस्था नई नहीं है। देश में 1996 और 1999 में प्रधानमंत्री और संसद के लिए अलग-अलग वोटिंग हुई थी। 2001 में भी सिर्फ प्रधानमंत्री चुनने के लिए अलग चुनाव कराया गया था। 1996 में बेंजामिन नेतन्याहू ने शिमोन पेरेज को हराकर प्रधानमंत्री पद का चुनाव जीता था। 1999 में एहुद बराक ने नेतन्याहू को हराया। वहीं, 2001 में एरियल शेरोन ने एहुद बराक को हराकर प्रधानमंत्री पद हासिल किया था। हालांकि, इस व्यवस्था से भी राजनीतिक समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुईं। बाद में 2001 में इसे समाप्त कर दिया गया और देश फिर से संसदीय व्यवस्था पर लौट आया।

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक 10 नवंबर को नई संसद के 120 सांसदों के शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नई संसद काम शुरू कर सकती है। अगर विपक्ष इस प्रस्ताव को विधेयक के रूप में पेश करता है और जरूरी समर्थन जुटा लेता है, तो उस पर वोटिंग हो सकती है।

इजराइल चुनाव में विदेशी दखल का सबूत नहीं मिला

इजराइल के चुनाव अधिकारियों और पुलिस ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस आरोप को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने चुनाव में विदेशी दखल की बात कही थी। अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि इस मामले की जांच का चुनाव के आखिरी नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न ही किसी समुदाय के वोट रद्द किए जाएंगे।

नेतन्याहू विरोधी दलों में सीधे पीएम चुनाव कराने पर विचार

इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में न तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन को और न ही विपक्ष को संसद में बहुमत मिला। इसी वजह से सरकार बनाने को लेकर राजनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

जॉइंट लिस्ट गठबंधन को जानिए

इजराइल में सभी वोटों की गिनती के बाद जॉइंट लिस्ट गठबंधन को 11 सीटें मिली हैं। यह इजराइल की अरब आबादी के अधिकारों की बात करने वाला राजनीतिक गठबंधन है। इसमें तीन अलग-अलग पार्टियां शामिल हैं। गठबंधन में अरब नेताओं के साथ यहूदी नेता भी हैं।

हदाश: यह वामपंथी पार्टी है। यह अरब और यहूदी नागरिकों की समानता, मजदूरों के अधिकारों और फिलिस्तीन के साथ शांति की वकालत करती है। **ताल:** यह अहमद तिबी की पार्टी है। यह अरब नागरिकों के समान अधिकार, शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों और फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का समर्थन करती है।

महीनों तक अंडरग्राउंड सुरंगों में रहने को मजबूर; रूस-यूक्रेन जंग पांचवें साल में भी जारी

रूसी ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कीव

रूस-यूक्रेन जंग अब अपने पांचवे साल में हैं। ऐसे में रूस के लगातार ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए जमीन पर खुलेआम चलना मुश्किल कर दिया है। वे पुरानी गैस पाइपलाइनों के अंदर छिपकर रह रहे हैं। करीब 4 फीट चौड़ी इन सुरंगों में सैनिकों को कई हफ्तों से लेकर दो महीने तक गुजारने पड़ते हैं। कभी रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली ये पाइपलाइन अब यूक्रेनी सैनिकों को खाना, हथियार और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाने का रास्ता बन गई हैं। सैनिक सुरंगों के जरिए सामान पहुंचाते हैं और उसे छोटी गाड़ियों पर लादते हैं, जो फिर पाइपलाइनों में चली जाती हैं।





रूस ने पहले किया था पुरानी पाइपलाइनों का इस्तेमाल

यूक्रेन के कुपियांस्क इलाके में पुरानी गैस पाइपलाइनों का करीब 129 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है। पिछले साल के आखिर में रूसी सैनिक इन्हीं पाइपलाइनों के जरिए कुपियांस्क में घुसने में कामयाब हुए थे। इसके बाद यूक्रेनी सेना ने भी जमीन के नीचे से जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद यूक्रेन की नेशनल गार्ड की खुफिया इकाई ने इन पाइपलाइनों के नक्शे जुटाए। साथ ही, इन्हें बनाने वाले पुराने गैस विशेषज्ञों की मदद से भूमिगत रास्तों का इस्तेमाल करने की योजना तैयार की। इसके बाद पाइपलाइनों में हवा पहुंचाने के लिए वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया। यह इस पूरे काम का सबसे मुश्किल हिस्सा था। इन पाइपलाइनों के जरिए सैनिकों तक खाना और गोला-बारूद पहुंचाया जाता है। इसके लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल होता है।

सैनिक संकरे रास्तों के कारण घुटनों पर रेंगते हैं

इन पाइपलाइनों के अंदर सैनिकों को काफी मुश्किल हालात में रहना पड़ता है। रास्ते इतने संकरे हैं कि उन्हें झुककर या घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। वहां न सूरज की रोशनी पहुंचती है और न ही ताजी हवा मिलती है।

शौचालय के लिए सैनिक प्लास्टिक के बैग और बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। पाइपलाइनों में गैस के बचे हुए अंश, धूल और हवा की कमी भी उनके लिए खतरा पैदा करती है। घायल सैनिकों को भी इन्हीं रास्तों से बाहर निकाला जाता है। मोर्चे पर मारे गए सैनिकों के शव भी इन पाइपलाइनों के जरिए बाहर लाए जाते हैं। ड्रोन और थर्मल इमेजिंग तकनीक ने खुले मैदान में सैनिकों की आवाजाही को बेहद खतरनाक बना दिया है।

थर्मल इमेजिंग की मदद से ड्रोन जमीन पर मौजूद लोगों के शरीर की गर्मी पहचान सकते हैं। ऐसे में सैनिकों के लिए छिपकर आगे बढ़ना भी आसान नहीं रह गया है। इसी वजह से यूक्रेन अपनी सेना के ठिकानों, निगरानी चौकियों और सामान रखने वाले केंद्रों को आपस में जोड़ने के लिए भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क बनाने की संभावनाएं तलाश रहा है।

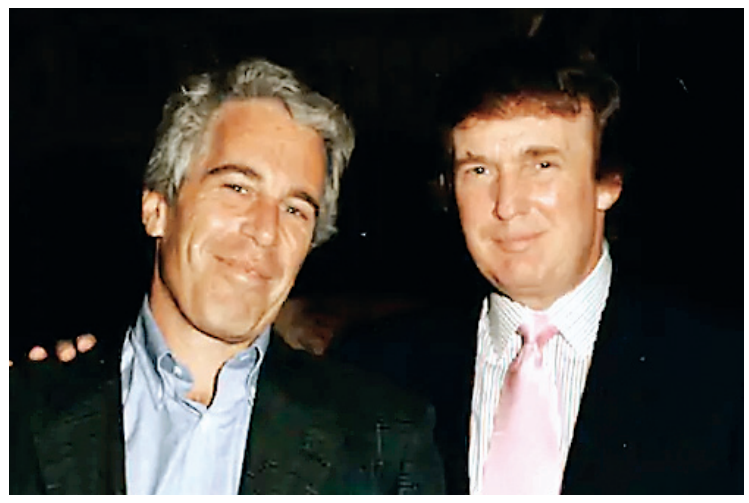
ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' पर मानहानि केस खारिजः

जज बोले- दलीलें बेबुनियाद; रिपोर्ट में ट्रम्प और एपस्टीन के बीच संबंध होने का दावा किया गया था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका की एक अदालत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार और उसके मालिक रूपर्ट मर्डॉक पर किया गया अरबों डॉलर का मानहानि केस खारिज कर दिया है।

अखबार ने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि ट्रम्प के संबंध बदनाम अमीर कारोबारी जेफरी एपस्टीन के साथ थे। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2003 में एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के एक एल्बम में एक चिट्ठी मिली थी, जिस पर ट्रम्प का नाम लिखा था। इस चिट्ठी में एक बिना कपड़ों वाली महिला का रेखाचित्र (स्केच) बना था और अंत में जन्मदिन की बधाई थी। ट्रम्प ने इसे झूठा बताते हुए कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई खत नहीं लिखा, और इससे उनकी छवि को भारी नुकसान पहुंचा है। लेकिन मियामी के जज डैरिन गेल्स ने केस रद्द कर दिया। जज ने कहा कि ट्रम्प यह साबित नहीं कर पाए कि अखबार ने जानबूझकर दुर्भावना से यह खबर छापी थी। उनकी दलीलें



बेबुनियाद थीं। जज ने ये भी कहा कि ट्रम्प जबरन अखबार की जांच-पड़ताल में कमियां निकालने की कोशिश कर रहे थे। अदालत ने यह फैसला स्थायी तौर पर सुनाया है, यानी ट्रम्प अब इस मामले को दोबारा अदालत में नहीं ले जा सकते। जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया।उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

ब्रिटेन गुलामी प्रथा के लिए माफी मांग सकता है

मुआवजा देने से इनकार किया; 400 साल चला लोगों को गुलाम बनाने का कारोबार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के मुताबिक उनका देश अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाकर बेचने के लिए माफी मांगने पर विचार कर रहा है। बर्नहम ने शुक्रवार को ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' में छपे एक लेख में यह लिखा। उन्होंने गुलामी से प्रभावित देशों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग को खारिज कर दिया है। ब्रिटेन करीब 400 साल तक अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाकर बेचता रहा। अब बर्नहम का कहना है कि ब्रिटेन इस मुद्दे पर गुलामी से प्रभावित देशों और संगठनों से बातचीत शुरू करेगा।

बर्नहम ने लिखा है कि आज के ब्रिटिश नागरिकों को उन गलतियों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, जो सैकड़ों साल पहले हुई थीं। उस समय के अपराधों में आज के लोगों की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने लिखा कि ब्रिटेन इसके बजाय गरीब कॉमनवेल्थ देशों की कर्ज चुकाने में मदद कर सकता है। इसके लिए पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन की अगुवाई में एक योजना शुरू करने की बात कही गई है। इसके तहत गरीब देशों को कर्ज चुकाने के लिए ज्यादा समय और कम ब्याज देने की कोशिश होगी। ब्रिटेन इन देशों को साफ ऊर्जा अपनाने में भी मदद करेगा।

ब्रिटेन ने 32 लाख अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाया

ट्रांसअटलांटिक स्लेव ट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, ब्रिटेन ने करीब 32 लाख अफ्रीकी लोगों को अटलांटिक महासागर पार ले जाकर गुलाम बनाया था। यूरोपीय देशों ने मिलकर 1.25 करोड़ से ज्यादा अफ्रीकी लोगों को पकड़कर गुलामी के लिए बेचा था। ब्रिटेन ने 1807 में गुलामों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई। 1833 में गुलामी खत्म करने का कानून बनाया गया, जो 1834 से लागू हुआ।

गुलामों को पूरी आजादी मिलने में 1838 तक का समय लगा। गुलामी खत्म होने के बाद ब्रिटेन ने पीड़ितों को नहीं, बल्कि उनके मालिकों को मुआवजा दिया। सरकार ने गुलामों के मालिकों को 2 करोड़ पाउंड (करीब 255 करोड़ रुपए) दिए। यह उस समय ब्रिटेन के सालाना बजट का करीब 40% था। इस रकम के लिए ब्रिटिश सरकार ने जो कर्ज लिया था, उसे चुकाने में 2015 तक का समय लगा। गुलामी खत्म होने के बाद ब्रिटेन ने अपने उपनिवेशों में मजदूरों की कमी पूरी करने के लिए भारत से लोगों को दूसरे देशों में भेजना शुरू किया। इस व्यवस्था को इंडेंचर्ड लेबर सिस्टम कहा जाता था।

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध

विपक्षी नेता बोले- देश की जमीन भारत को नहीं देंगे; गंगा जल समझौते का भी विरोध

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ढाका

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रांजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है।

नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान



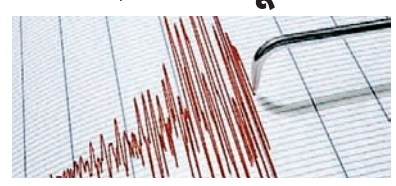
नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे। नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ

प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए। रैली में ह्यदिल्ली नहीं, ढाका ढाकाह्व के नारे लगाए गए।

जापान दौरे के बाद क्यों उठा कॉरिडोर का मुद्दा?

दरअसल, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान 26 से 29 अक्टूबर तक जापान के दौरे पर थे। इस दौरान जापान और बांग्लादेश के बीच बंगाल की खाड़ी के आसपास व्यापार और आवाजाही बढ़ाने पर सहमति बनी। जापान बांग्लादेश में मातरबाड़ी नाम का एक बड़ा बंदरगाह भी बना रहा है। इसके जरिए समुद्र के रास्ते सामान लाने-ले जाने की सुविधा बढ़ेगी। जापान की एक योजना के मुताबिक, इस बंदरगाह को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए बांग्लादेश के रास्ते सड़क और दूसरे संपर्क मार्गों का इस्तेमाल होगा। इससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों तक सामान पहुंचाना आसान हो सकता है। साथ ही भारत का व्यापार दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों तक बढ़ सकता है।

जापान के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप



ब्रह्मास्त्र ▸▸ जापान

जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (एटरउ) की वेबसाइट पर लोगों ने बताया कि झटके काफी देर तक महसूस हुए। शुरूआत में हल्के झटके लगे, जो धीरे-धीरे तेज होते गए।

जंग कब और कैसे खत्म होगी, यह हम तय करेंगे

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अमेरिका-इजराइल को चेतावनी दी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ईरान

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर दोनों देशों ने दोबारा हमला किया तो ईरान उसका तुरंत जवाब देगा। उन्होंने कहा कि जंग कब और किन शर्तों पर खत्म होगी, यह भी ईरान तय करेगा। खामेनेई ने शनिवार को ईरान की सेना के वरिष्ठ कमांडरों के साथ बैठक में यह बयान दिया। इसके बाद उनका बयान टेलीग्राम अकाउंट पर जारी किया गया।

सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेना को किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार रहने का आदेश भी दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि जवाबी हमले के लिए किसी भौगोलिक सीमा की पाबंदी नहीं होगी। खामेनेई ने ईरानी सेना को अमेरिका और इजराइल के सैन्य ठिकानों और दूसरी संपत्तियों की नई सूची तैयार करने का आदेश भी दिया है, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जा



सके। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल टर ठडह की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन ने खाड़ी देशों को अलर्ट रहने को कहा है। तीन वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने 4 नवंबर से ईरान पर संभावित हमले की तैयारी करने को कहा है।

अराघची बोले- अमेरिकी हमले की आशंका से इनकार नहीं

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनका देश अमेरिका के एक और हमले की आशंका को खारिज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, हमारी सेनाएं पूरी तरह तैयार हैं।

अराघची ने यह भी बताया कि ईरान को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का एक पत्र मिला है। ईरान के बड़े अधिकारियों ने इस पर चर्चा की है। फिलहाल अमेरिकी अधिकारियों के साथ सीधे बैठक की कोई योजना नहीं है। आगे बातचीत आमने-सामने होगी या मध्यस्थों के जरिए, यह ईरान की शर्तें पूरी होने पर निर्भर करेगा।

अराघची ने यह भी माना है कि अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों का ईरान पर असर पड़ा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। लेकिन उन्होंने कहा कि ईरान इन दबावों के आगे झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे।'

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को अटलांटा में ॠ20 की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ईरान को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर दोबारा हमला करने का अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

ट्रम्प फिलहाल बातचीत के जरिए मामला सुलझाना चाहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है। रुबियो ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह अपनी मांगें मनवाने के लिए जहाजों पर हमले करने और पड़ोसी देशों के तेल-गैस ठिकानों को तबाह करने की धमकी दे रहा है।

अमेरिका संग बातचीत में ईरान की तीन बड़ी मांगें

तेल बेचने की छूट बहाल होः ईरान चाहता है कि अमेरिका उसे तेल बेचने की पहले जैसी छूट दें। आर्थिक प्रतिबंध हटेंः ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध खत्म किए जाएं, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिले। कतर में जमा 6 अरब डॉलर वापस मिलेंः ईरान चाहता है कि कतर में रोकी गई उसकी करीब 6 अरब डॉलर की रकम उसे वापस दी जाए।

■ वर्ष-12 अंक-358 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

राहिणि नलिनीलक्ष्मी दिवसो निदधाति दिनकराप्रभवाम्।
अनपेक्षितगुणदोषः परोपकारः सतां व्यसनम्॥

भावार्थ : दिन में जिसे अनुराग है वैसे कमल को, दिन सूर्य से पैदा हुई शोभा देता है। अर्थात् परोपकार करना तो सज्जनों का व्यसन-आदत है, उन्हें गुण-दोष की परवा नहीं होती।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, रविवासरः 01 नवम्बर, 2026

पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।
नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः परोपकाराय सतां विभूतयः॥

भावार्थ : नदियाँ अपना पानी खुद नहीं पीती, वृक्ष अपने फल खुद नहीं खाते, बादल खुद ने उगाया हुआ अनाज खुद नहीं खाते। सत्पुरुषों का जीवन परोपकार के लिए हि होता है।

सम्पादकीयम्

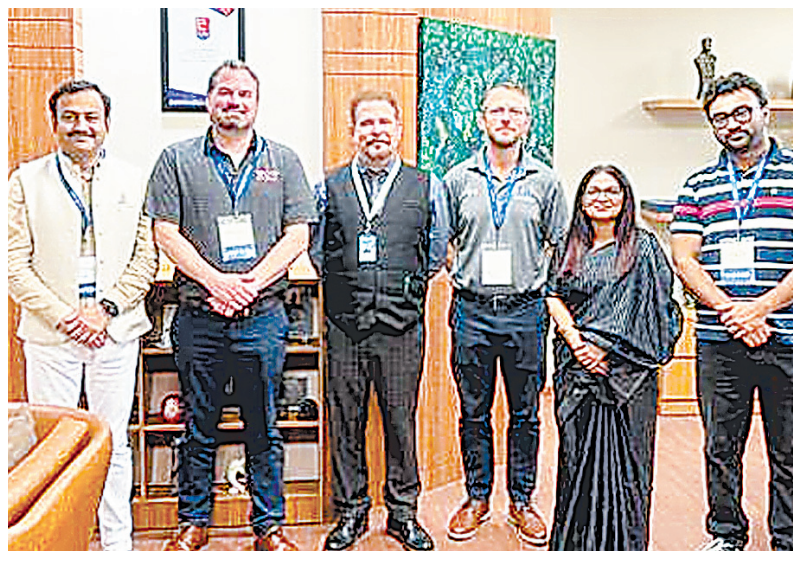
निर्वाचन आयोग

देशस्य विभिन्नेषु भागेषु उत्पद्यमानानां विरोधानां, संशयानां च मध्यं निर्वाचनआयोगेन विशेषसघनपुनरीक्षण प्रक्रियायाः अन्तर्गतं विशेषाभियानस्य आरम्भस्य निर्णयः कृतः अस्ति। भारतीय निर्वाचन आयोग निर्वाचनआयोगेन विशेषसघनपुनरीक्षणस्य विषये विशेषाभियानस्य आरम्भस्य निर्णयः कृतः यदा देशस्य अनेकभागेषु विरोधस्य सामनां कुर्वन् अस्ति। तस्य बहवः निर्णयाः शङ्कया दृश्यन्ते, आयोगः च बहुधा स्पष्टीकरणानि निर्गन्तुं बाध्यः भवति। सूचीनां पारसत्यापनम्ः अस्य अभियानस्य अन्तर्गतं बूथस्तरस्य अधिकारिणः वर्तमाननिर्वाचनसूचिकायाः तुलनां एसआईआर इत्यस्मात् पूर्वं विद्यमानेन सूचीयाः सह करिष्यन्ति। येषां व्यक्तिनां नाम पूर्वं दृश्यते स्म किन्तु अधुना अदृश्याः तेषां स्थितिः द्वारे द्वारे जाँचद्वारा सत्यापिता भविष्यति। निर्वाचनआयोगस्य राज्यनिर्वाचनाधिकारिणां च आँकडानां ज्ञायते यत् एसआईआरप्रक्रियायाः अनन्तरं ९ राज्येषु ३ केन्द्रप्रदेशेषु च मतदातानां संख्यायां १०.२% न्यूनता अभवत् प्रायः १३ कोटिनामानि निष्कासितानि इति समाचाराः सूचयन्ति। परन्तु एते सर्वे व्यक्तिः योग्याः आसन्, अनुचितरूपेण च बहिष्कृताः इति न भवति; सूचीयां ६० लक्षाधिकानां मतदातानां नामानि निष्कासितानि सन्ति ये दिवंगताः सन्ति। कोऽपि बहिः न त्यक्तः इति सुनिश्चित्यः प्रत्येकस्मिन् राज्ये प्रक्रियां सम्पन्नं कृत्वा आयोगेन मृतानां, द्वितीयकानाम्, प्रवासितानां वा प्रविष्टीनां संख्या प्रकटिता आसीत्। परन्तु एतानि आँकडानि पुनः पुनः विवादस्य विषयः एव तिष्ठन्ति।

शैक्षिकसाझेदारीविस्तारार्थं त्रयः प्रतिष्ठिताः अमेरिकन-आवासविद्यालयाः

भारतं गच्छन्ति; दिल्ली-मुम्बई-नगरयोः छात्रैः अभिभावकैः च सह संलग्नाः भवन्तु

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली



भारत-अमेरिका-देशयोः शैक्षिकसम्बन्धेषु नूतना दिशां दातुं उद्देश्यं कृत्वा अक्टोब-र्मासे अमेरिकन-देशस्य प्रतिष्ठितानां त्रयाणां आवासीयविद्यालयानाम् प्रतिनिधिमण्डलं दिल्ली-मुम्बई-नगरयोः भ्रमणं कृतवान् भ्रमणकाले प्रतिनिधिभिः भारतीयछात्रैः, शिक्षाविदैः, विद्यालयप्रबन्धनेन, अभिभावकैः च सह सम्बद्धाः येन शैक्षिकावकाशानां, शैक्षणिककार्यक्रमानाम्, अमेरिकन-आवासविद्यालयानाम् अन्तः अन्तर्राष्ट्रीयसहकार्यस्य सम्भावना च चर्चा कृता एषा उपक्रमः वैश्विकविश्वविद्यालयानाम् आवासीयविद्यालयानाञ्च अन्तर्राष्ट्रीयसम्पर्ककेन्द्रेण आयोजिता आसीत्।

दिल्ली-मुम्बई-नगरयोः अग्रणीविद्यालयेषु सङ्गतिः अमेरिकी-आधारितस्य कुशिंग्-अकादमी, हाइड्-विद्यालयस्य, फे-विद्यालयस्य च प्रतिनिधिभिः अस्मिन् शैक्षिक-प्रसार-कार्यक्रमे भागः गृहीतः। प्रतिनिधिमण्डलं पञ्चशीलपार्क-नगरस्य अपीजय-विद्यालयं, वसंतकुञ्ज-नगरस्य जी.डी.गोएन्का-पब्लिक-विद्यालयं, साकेत-नगरस्य अमिटी-अन्तर्राष्ट्रीय-विद्यालयं च गतवान्-सर्वं दिल्ली-नगरे स्थितम् अस्ति तदतिरिक्तं मुम्बई-नगरस्य गोरेगांव-नगरस्य सेण्ट्-जेवियर-उच्चविद्यालये प्रतिनिधिभिः छात्रैः सह विद्यालयसमुदायेन च सह मिलितवान्। स्थानीय आवासीयविद्यालयमेलासु सम्भाव्यछात्रैः तेषां परिवारैः सह अपि संवादं कृतवन्तः।

अस्य भ्रमणस्य प्राथमिकं उद्देश्यं भारतीयछात्राणां परिवाराणां च अमेरिकन-आवासविद्यालयशिक्षाव्यवस्था, आवासीयशिक्षणं, पाठ्येतरक्रियाकलापाः, छात्राणां समग्रव्यक्तित्वविकासः च इति विषये सूचनाः प्रदातुं आसीत् अपि च, उभयदेशेषु शैक्षणिकसंस्थानां मध्ये दीर्घकालीनसहकार्यसंभावनानां अन्वेषणं कर्तुं भ्रमणेन बलं दत्तम्।

भारतीयछात्राणां जिज्ञासाया प्रभावितः अमेरिकनप्रतिनिधिः कुशिंग् एकेडमी इत्यस्य केविन् स्मिथः भारतस्य यात्रां विद्यालयसमुदायैः सह सम्बद्धतां प्राप्तुं महत्त्वपूर्णः अवसरः इति वर्णितवान्। सः अवदत् यत् शैक्षिकपरामर्शदातृभिः पिङ्क्विस्वासैः अयनविस्वासैः च सहकारेण आयोजितः अयं भ्रमणः दिल्ली-मुम्बई-नगरयोः प्रमुखैः विद्यालयैः सह संवादस्य उत्तमं मञ्चं प्रदत्तवान् इत्यस्य निदेशकः अयन विश्वासः भारतीयछात्रैः प्रदर्शितस्य उत्साहस्य, आत्मविश्वासस्य, शिक्षणस्य उत्सुकस्य च प्रशंसाम् अकरोत्। सः टिप्पणीं कृतवान् यत् छात्राणां विचारणीयाः प्रश्नाः, अनुशासनं, आदरपूर्णं व्यवहारं, शिक्षणस्य यथार्थरुचिः च प्रतिनिधिमण्डले प्रबलं प्रभावं जनयति तेषां मते छात्राणां मध्ये एषः दृष्टिकोणः भारतीयविद्यालयेषु संवर्धितानां शैक्षणिकनैतिकमूल्यानां प्रतिबिम्बं करोति। हाइड् विद्यालयः फे विद्यालयः च साझेदारीविषये आशां प्रकटयन्ति हाइड विद्यालयस्य नामाङ्कनवित्तीयसहायतानिदेशकः जस्टिन फाहेयः मुम्बईनगरे प्राप्तस्य हार्दिकस्वागतस्य समर्थनस्य च कृते इत्यस्य आभारं प्रकटितवान्। भारतीयछात्रान् तेषां परिवारान् च जिज्ञासुः, विचारशीलः, महत्त्वाकांक्षी च इति वर्णयन् सः अवदत् यत् एतादृशाः छात्राः हाइडविद्यालयस्य शैक्षणिकसंस्कृतेः अनुकूलाः सन्ति।

पत्रकारितायाः स्वतन्त्रतायाः

संतुलनं सुरक्षां उत्तरदायित्वं च

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली

केवलं अनन्यचित्रं वा भिडियो वा प्राप्तुं उच्चजोखिमस्थाने स्थातुं न प्रशस्तम्। पत्रकारितायाः स्वतन्त्रतायाः संतुलनं सुरक्षां उत्तरदायित्वं च। भारतस्य प्रेस काउन्सिलेन निर्गताः मार्गदर्शिकाः विरोधान्दोलनानां प्रदर्शनानां च कवरेजस्य समये सुरक्षायाः व्यावसायिकव्यवहारस्य च व्यापकरूपरेखां प्रददति। तेषु पत्रकारानां स्पष्टपरिचयः, पुलिस-जनसमूहयोः मध्ये सुरक्षितस्थानं निर्वाहयितुम्, आपत्कालीन-निष्कासन-प्रक्रियाः, प्रथम-चिकित्सा, समाचार-कक्षेण सह समन्वयः, तथ्य-आधारित-समाचारः इत्यादयः पक्षाः समाविष्टाः सन्ति एतेषां मार्गदर्शिकानां मूलसन्देशः अस्ति यत्, एकस्मिन् दृश्ये स्वतन्त्रतया प्रभावीरूपेण च कार्यं कर्तुं पत्रकारैः स्वस्य सुरक्षां प्राथमिकताम् अददात्, व्यावसायिकनिष्पक्षतां निर्वाहयितुम्, कठोरसत्यापनं च सुनिश्चितं कर्तव्यम्। मीडियासंस्थाः स्वपक्षतः स्वपत्रकाराणाम् स्थानं, आपत्कालीनसम्पर्कप्रोटोकॉलं, सुरक्षासज्जतां च अतीव गम्भीरतापूर्वकं ग्रहीतव्याः। यथा प्रेस काउन्सिलस्य प्रेसविज्ञप्तौ उल्लिखितं, एतेषां निदेर्शानां उद्देश्यं पत्रकारितानां कर्तव्यानां प्रभावी निर्वहनस्य सुविधां कर्तुं, मीडियाकर्मचारिणां सुरक्षां सुनिश्चित्य, उत्तरदायी प्रतिवेदनं प्रवर्धयितुं।

दिल्लीनगरस्य रैसिनापर्वते उत्तरखण्डे अग्निः प्रज्वलितः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

सोमवासरे प्रातःकाले उत्तरखण्डे-राष्ट्रीयराजधानीदिल्लीनगरस्य रैसीनापर्वते स्थिते ऐतिहासिकप्रशासनिकभवने अग्निः प्रज्वलितः। आकाशे घनः कृष्णधूमः प्रवहति स्म, येन दिल्ली-अग्निशामकसेवायाः तत्क्षणं प्रतिक्रिया अभवत्। आधिकारिकसूत्रानुसारं अग्निः निष्प्रभः अस्ति, तत्र च कस्यापि क्षतिः इति सूचनाः न प्राप्यन्ते। सोमवासरे प्रातःकाले रक्तवालुकापत्थरभवनस्य पृष्ठतः स्थूलकृष्णधूमः उदयमानः दृष्टः, येन अग्निप्रकोपस्य चिन्ता उत्पन्ना। दिल्लीपुलिससूत्रानुसारं स्थले वेल्डिङ्गकार्यं प्रचलति स्म। वेल्डिंगप्रक्रियायाः स्फुलिङ्गः समीपस्थे टङ्के पतित्वा अग्निः प्रज्वलितः इति कथ्यते।

राशिफल

मेष : भावनाओं से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करें। सही बातचीत से रिश्तों में सुधार आ सकता है।

वृषभ : हर बात पर रिएक्ट न करें। यह समय खुद के बारे में सोचने और मन को शांत करने का है। सब्र रखें, हालात बदलेंगे।

मिथुन : कोई पुरानी बात फिर से जुड़ सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप नए मौकों के लिए तैयार रहेंगे।

कर्क : किसी से उलझने के बजाय खुद को समझने की कोशिश करें। आज का दिन आत्मनिरीक्षण का है।

सिंह : आप चीजों को ज्यादा साफ तरीके से देख पाएंगे। अंदर से ताकत और भरोसा महसूस होगा।

कन्या : आप खुलकर बात करेंगे तो आधी परेशानी वहीं खत्म हो जाएगी। गलतफहमी की गुंजाइश है, शब्दों को संभालकर बोलें।

तुला : बातों में नरमी रखें और खुद को समय दें। आज का दिन आपको धैर्य सिखाने वाला है। जल्द प्रतिक्रिया देने से बचें।

वृश्चिक : दिन अपनों के साथ बैठने, बात करने और रिश्तों को मजबूत करने का है। आज दिल की बात कहने में झिझक न रखें।

धनु : किसी इंसान के साथ दिल की बात शेयर हो सकती है। आज दूसरों की मदद भी करेंगे और खुद को लेकर भी अच्छा महसूस करेंगे।

मकर : दिल की बात कहने का सही दिन है। जो बात लंबे समय से अंदर दबाए बैठे थे, उसे कह सकते हैं।

कुंभ : किसी अपने से बात करना फायदेमंद रहेगा। सब कुछ खुद ही संभालने की कोशिश न करें।

मीन : लोगों से बातचीत आसान रहेगी और रिश्तों में भी खुलापन आएगा। आज आप जो बोलेंगे, लोग उसे समझेंगे।

राजगीर में भारतीय लड़कियां 17-0 से जीती, जानिए बड़े उलटफेर के टॉप-5 फैक्टर्स

भारत ने रग्बी सुपरपावर न्यूजीलैंड को कैसे हरा दिया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली



न्यूजीलैंड को रग्बी की दुनिया की सबसे बड़ी ताकतों में गिना जाता है। उसकी पुरुष टीम तीन बार और महिला टीम छह बार वर्ल्ड कप जीत चुकी है। इसके मुकाबले रग्बी में भारत की पहचान लगभग जीरो है। भारत अब तक रग्बी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सका है। एशियाई स्तर पर भी भारत शीर्ष टीमों में शामिल नहीं रहा है।

ऐसे में 27 अक्टूबर को बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने जो किया, उसने सबका ध्यान खींचा। भारतीय लड़कियों ने न्यूजीलैंड की युवा माओरी टीम को रग्बी सेवन्स के मुकाबले में 17-0 से हरा दिया। भारत ने हाफ टाइम तक 12-0 की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रही।

यह न्यूजीलैंड की नेशनल अंडर-20 टीम नहीं, माओरी खिलाड़ियों का सांस्कृतिक दल था- इस जीत को समझने के लिए सबसे पहले न्यूजीलैंड की टीम की पहचान जानना जरूरी है। राजगीर में भारत के खिलाफ खेलने वाली टीम न्यूजीलैंड की नियमित राष्ट्रीय अंडर-20 महिला टीम नहीं थी। यह न्यूजीलैंड के अलग-अलग हिस्सों से चुनी गई माओरी समुदाय की 24 युवा खिलाड़ियों वाली इनविटेशनल टीम थी। माओरी न्यूजीलैंड का मूल निवासी समुदाय है। इस दौरे का उद्देश्य केवल मुकाबले खेलना नहीं, बल्कि खेल के जरिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और रग्बी के विकास को बढ़ावा देना भी था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने पर यह सीरीज आयोजित की गई थी। इसलिए भारत की जीत को न्यूजीलैंड की सीनियर टीम या उसकी नियमित राष्ट्रीय अंडर-20 टीम पर जीत बताना सही नहीं होगा। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय रग्बी की मजबूत संस्कृति वाले देश की युवा खिलाड़ियों को 17-0 से हराना भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है।

मुकाबला रग्बी सेवन्स का था, 15 खिलाड़ियों वाला पारंपरिक रग्बी नहीं- भारत की जीत में फॉर्मेट का भी महत्व रहा। राजगीर में मुकाबला रग्बी सेवन्स का था। इसमें एक टीम के सात खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं, जबकि पारंपरिक रग्बी यानी 15-ए-साइड में हर टीम के 15 खिलाड़ी होते हैं। सेवन्स का मुकाबला भी काफी छोटा होता है। सेवन्स मैच 14 मिनट का होता है, जिसमें सात-सात मिनट के दो हाफ होते हैं। इसके मुकाबले 15-ए-साइड रग्बी 80 मिनट खेला जाता है।

सेवन्स में मैदान पर खाली जगह अधिक होती है। खिलाड़ियों की गति, पासिंग, टैकल और तेजी से पोजिशन बदलने की क्षमता ज्यादा मायने रखती है। कम समय में मैच का रुख बदल सकता है। इसलिए इसे पारंपरिक रग्बी की ताकत का सीधा पैमाना नहीं माना जा सकता।

भारतीय लड़कियां पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरी थीं

भारत की जीत को सिर्फ न्यूजीलैंड की टीम की पृष्ठभूमि से नहीं समझा जा सकता। भारतीय महिला रग्बी में भी पिछले कुछ समय से सुधार हुआ है। इसका उदाहरण अक्टूबर में हुए एशियन गेम्स में देखने को मिला। भारत की सीनियर महिला रग्बी सेवन्स टीम ने पिछले एशियन गेम्स में छठा स्थान हासिल किया। यह एशियन गेम्स में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे पहले भारत ने 2022 के हांगझोउ एशियन गेम्स में सातवां स्थान हासिल किया था। एशियन गेम्स में भारत ने मलेशिया को 26-5 और सिंगापुर को 22-5 से हराया था। ध्यान रहे, यह सीनियर टीम का प्रदर्शन है, इसे राजगीर में खेलने वाली अंडर-20 टीम का व्यक्तिगत रिकॉर्ड नहीं समझना चाहिए। लेकिन इससे भारतीय महिला रग्बी के डेवलपमेंट का अंदाजा जरूर मिलता है।

हैमिल्टन में आज भारत-न्यूजीलैंड पांचवा टी-20

वैभव सूर्यवंशी आज खेल सकते हैं, हाई स्कोरिंग ग्राउंड पर शिवम दुबे को मिल सकता है मौका

ब्रह्मास्त्र ▸▸ हैमिल्टन



भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला आज खेला जाएगा। मैच हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगा। भारत सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुका है। मुकाबले से पहले एक बार फिर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खेलने की चर्चा है। पिछले मैच में सूर्यवंशी की जगह ईशान किशन ने प्लेइंग-11 में वापसी की थी। माना जा रहा है कि वे अभिषेक, सैमसन या ईशान में से किसी की जगह खेल सकते हैं।

ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी मौका मिल सकता है, जो इस सीरीज में अब तक नहीं खेले हैं। उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह खिलाया जा सकता है। इसकी एक वजह हैमिल्टन का हाई स्कोरिंग मैदान भी है। यहां खेले गए 14 टी-20 मैचों में से 8 बार पहली पारी में 180 या इससे ज्यादा रन बने हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 35 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 22 मैच जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड को 12 मुकाबलों में जीत मिली है। एक मैच टाई रहा है। इस सीरीज में भारत ने शुरूआती तीनों मुकाबले जीतकर 3-0 की बढ़त बनाई थी। चौथे टी-20 में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए भारत के खिलाफ सबसे बड़ा टी-20 स्कोर बनाया। इस मैच में न्यूजीलैंड को 87 रन से जीत मिली।

अभिषेक शर्मा इस सीरीज में भारत के टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने 4 मैचों में 196 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 227.90 का रहा है। उन्होंने तीसरे टी-20 मैच में शतक भी लगाया था। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 4 मैचों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए हैं।

फिलिप्स ने सीरीज में 3 बार 70 या ज्यादा रन बनाए- ग्लेन फिलिप्स ने इस सीरीज के 4 मैचों में सबसे ज्यादा 276 रन बनाए हैं। वे 3 पारियों में 70 या उससे ज्यादा का स्कोर कर चुके हैं। उन्होंने पहले मैच में 40 गेंद पर नाबाद 82, दूसरे मैच में 43 गेंद पर 70 और चौथे टी-20 में 49 गेंद पर 107 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में भी न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर सीरीज के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 4 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। कमाल की बात है कि सैंटनर सीरीज के एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने 7 की कम इकोनॉमी से रन दिया है। उनकी इकोनॉमी 6.73 रही है।

बारिश की संभावना नहीं- ऑकलैंड में मैच के दौरान तापमान 12 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह के समय ठंड ज्यादा रह सकती है। हालांकि तेज हवाओं का असर ऑकलैंड के मुकाबले कम रहने की उम्मीद है। बारिश की संभावना नहीं है।

रोहित शर्मा विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

रोहित शर्मा दिसंबर में होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे। उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को अपनी उपलब्धता बता दी है। मीडिया रिपोर्ट मुताबिक, रोहित वे भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली वनडे सीरीज के बाद मुंबई टीम से जुड़ेंगे। तीन मैचों की यह घरेलु वनडे सीरीज 13 से 19 दिसंबर तक खेली जाएगी। एमसीए के एक सूत्र ने कहा- उन्होंने हमें बताया है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद उन्हें उपलब्ध माना जाए। वह कितने मैच खेलेंगे, इसकी जानकारी बाद में देंगे।' अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए घरेलू क्रिकेट में खेलना उनके लिए मैच प्रैक्टिस का मौका होगा। रोहित पिछले सीजन भी विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेले थे। उन्होंने जयपुर में सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ दो मैच खेले थे।

ज्योतिष/वास्तु

बिजनेस-नौकरी में लापरवाही पड़ेगी भारी

2027 में मेष सहित इन राशि के लोगों पर होगी शनि की नजर



साल 2026 अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह वर्ष ग्रहों की चाल और उनकी बदलती स्थिति के कारण महत्वपूर्ण रहा है। शनि की स्थिति का भी राशियों पर विशेष प्रभाव देखने को मिला।

साल 2026 अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह वर्ष ग्रहों की चाल और उनकी बदलती स्थिति के कारण काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान कई ग्रहों के राशि परिवर्तन का प्रभाव अलग-अलग राशियों के जीवन पर देखने को मिला है। वहीं, शनि की स्थिति को इस साल अधिक महत्व दिया गया है। उनका प्रभाव जातकों के जीवन में की तरह के बदलाव और उतार-चढ़ाव लेकर आता है। दरअसल, कुछ राशि वालों पर 2026 में शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव बना रहा है। इस अवधि में जातकों को अधिक प्रयास, सेहत समस्याएं और बिजनेस को लेकर कई बदलाव देखे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि साल 2027 में किन राशियों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव रहने वाला है और किन लोगों को अपने कामकाज और व्यवहार में विशेष सावधानी बरतनी होगी। आइए इसके बारे में जानते हैं।

2027 में इन चार राशियों पर रहेगा शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव- ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2027 में कुंभ, मीन, मेष और वृषभ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव अलग-अलग चरणों में देखने को मिल सकता है। शनि के राशि परिवर्तन के कारण इस अवधि में साढ़ेसाती की स्थिति में बदलाव होगा। 3 जून 2027 को शनि के मेष राशि में प्रवेश करने पर वृषभ राशि वालों के लिए साढ़ेसाती का पहला चरण शुरू होने की गणना की जाती है।

वहीं, कुंभ राशि के जातकों को कुछ समय के लिए इससे राहत मिलने की संभावना रहेगी। हालांकि, शनि की चाल में आगे होने वाले बदलाव के कारण यह स्थिति फिर बदल सकती है। 20 अक्तूबर 2027 को शनि के वक्री होकर मीन राशि में लौटने से कुंभ राशि वालों पर साढ़ेसाती का प्रभाव फिर से शुरू होने की संभावना रहेगी। इस तरह साल 2027 में शनि की बदलती चाल इन राशियों के लिए ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मेष राशि वालों को अपने व्यवहार और फैसलों को लेकर विशेष सतर्क रहने की जरूरत हो सकती है। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें और किसी भी निवेश से पहले अच्छी तरह विचार करें।

वृषभ राशि वालों के लिए साल 2027 में शनि की साढ़ेसाती का नया चरण महत्वपूर्ण रह सकता है। इस दौरान परिवार में आपसी तालमेल बनाए रखें और विवादों को बढ़ाने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हुए धैर्य के साथ आगे बढ़ना आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

कुंभ राशि वालों को इस दौरान अपने कामकाज में अनुशासन बनाए रखने की जरूरत होगी। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें। सेहत को लेकर भी लापरवाही न बरतें।

मीन राशि वालों के लिए यह समय धैर्य और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का संकेत देता है। परिवार और रिश्तों में बातचीत के दौरान संयम रखें। नियमित दिनचर्या और सोच-समझकर लिए गए फैसले आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

खबर एक नजर...

माधव कॉलेज में जनसुरक्षा सृजन संवाद का समापन

उज्जैन। युवाओ को कानून, संविधान, नागरिक अधिकारों और जनसुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जन सुरक्षा सृजन संवाद कार्यक्रम का शनिवार को शासकीय माधव महाविद्यालय में समापन हो गया। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग और पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण और समाज में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में नागरिकों की भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में एएसपी आलोक शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। राष्ट्र के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है। पुलिस समाज में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करती है। इस दौरान सायबर सेल प्रभारी प्रतीक यादव और सूबेदार सुभाष सतपाड़िया ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली और जनसुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक शांति बनाए रखने में पुलिस की भूमिका की सराहना की। उन्होंने पुलिसकर्मियों के समर्पण और त्याग के प्रति आभार जताया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों और उपस्थितजनों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई। विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से कानून और सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे। वहीं पोस्टर, स्लोगन और निबंध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लापता बालिका को पुलिस ने 24 घंटे में किया दस्तयाब

उज्जैन। महाकाल थाना क्षेत्र के भैरूपुरा में रहने वाली 15 वर्षीय बालिका अचानक घर से लापता हो गई थी। मां शाम को घर लौटी तो बालिका दिखाई नहीं दी। उसने आसपास तलाश करने के बाद पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी गगन बादल ने बालिका की तलाश के लिये एसआई बलराम थिरोठा और महिला आरक्षक सरिता विश्वकर्मा की टीम बनाई। बालिका की तलाश में सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गये। बालिका कार्तिकमेला ग्राउंड की ओर आती दिखाई दी। आसपास पता लागने पर बालिका समीप रानी का बगीचा में बैठी मिल गई। जिसे दस्तयाब कर थाने लाया गया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि मां ने छोटे भाई के लिये खाना नहीं बनाने पर डांटा था, जिसके चलते वह घर से चली गई थी। बताया जा रहा है कि बालिका के पिता चार माह से लापता है। मां होटल में खाना बनाने का काम करती है। बालिका के सुकुशल मिलने पर उसे समझाईश के बाद मां के सुपुर्द किया गया है। थाना प्रभारी बादल के अनुसार बालिका को 24 घंटे में तलाश लिया गया था।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को भेजा जेल

उज्जैन। नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाला 4 माह बाद ग्राम दलौदा मंदसौर से नीलगंगा थाना पुलिस की गिरफ्त में आ गया था। जिसे शनिवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बबलू भील दलौदा मंदसौर का रहने वाला है। जून माह में उज्जैन मजदूरी के लिये आया था, उस दौरान दाऊदखेड़ी की रहने वाली नाबालिग को बहला-फुसलाकर महाराष्ट्र के ग्राम करजत ले गया था। जहां शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। पुलिस ने नाबालिग के लापता होने पर तलाश शुरू की थी बबलू नाबालिग को छोड़कर भाग निकला था। नाबालिग की शिकायत पर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। गिरफ्त में आने पर उसे महाराष्ट्र तस्दीक के लिये पुलिस लेकर पहुंची थी, जहां एक झोपड़ी में उसके द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया जाना सामने आया।

एक्टिवा सवार मां-बेटी को कार चालक ने मारी टक्कर

उज्जैन। शिवांश एवेन्यू में रहने वाली वर्षा पति दिनेश मालवीय 40 साल अपनी मां ललिता पति स्व. गोविंद प्रसाद नवरंग 62 साल के साथ एक्टिवा से बाजार गई थी। वापस लौटते समय पंचक्रोशी मार्ग नागझिरी में तेजगति से आई कार क्रमांक एमपी 13 एएन 6907 के चालक ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। पीछे बेटी ललिता नवरंग गिरने से घायल हो गई। नागझिरी थाना पुलिस ने बेटी की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। चालक कार लेकर मौके से भाग निकला था।

दरवाजा बंदकर युवती ने लगाई फांसी

इंगोरिया/उज्जैन। शनिवार शाम युवती ने कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने रोशनदान से झांका तो फंदे पर लटका देखा। दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से उतारा गया। इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुनेड़ा में रहने वाली अस्मिता पिता मुकेश राठौर 19 साल ने शाम को कमरे का दरवाजा बंद कर लिया था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने खटखटाया, अंदर से अस्मिता द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। परिजनों ने शंका होने पर रोशनदान से अंदर झांका तो उसे छत पर लगे पंखे से कंडे से दुपट्टे के फंदे पर लटकी दिखाई दी। दरवाजा तोड़ने के बाद उसे नीचे उतारा गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंच गई थी। बताया जा रहा है कि युवती बड़नगर जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि के भाई की पुत्री है। थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है। घटनास्थल का कमरा सील कर दिया गया है। फांसी लगाने का कारण अज्ञात है। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की जायेगी।

बेगमबाग क्षेत्र में एक बार फिर से संयुक्त दल पहुंचा कार्रवाई करने

यूडीए की लीज निरस्ती के 11 और मकानों पर चली जेसीबी

अब तक 83 निर्माणों पर कार्रवाई, पोकलेन सहित अन्य संसाधनों का उपयोग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शनिवार को एक बार फिर से बेगमबाग क्षेत्र में उज्जैन विकास प्राधिकरण के लीज निरस्ती के 11 और मकानों पर कार्रवाई की गई है। इन मकानों का निर्माण विकास प्राधिकरण के नियमों के विपरित किया गया था। भूखंडों के भाग कर लिए गए थे। आवासीय भूखंडों का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था। ऐसे में इनकी लीज निरस्त कर दी गई थी। अब तक 83 निर्माणों को इसके तहत हटाया गया है।



हरिफाटक ब्रिज के चौड़ीकरण और मंदिर मार्ग पर प्रस्तावित निर्माण कार्य में बाधक बन रहे 11 मकानों को सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत प्रशासन ने महाकाल मंदिर मार्ग से जेसीबी और पोकलेन मशीनों से हटाया है।कार्रवाई के दौरान यूडीए, नगर निगम और पुलिस का संयुक्त अमला तैनात रहा।

लीज निरस्त की गई- उज्जैन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूखंडों की लीज पहले ही निरस्त की जा चुकी थी। प्रभावित लोगों को कार्रवाई से पहले सूचना दी गई थी। उनके सामान हटाने के बाद शनिवार को निर्माण हटाए गए। यूडीए के अनुसार, इन भूखंडों की लीज करीब 15 साल पहले समाप्त हो चुकी थी। मामला न्यायालय में लंबित होने और स्टे के कारण कार्रवाई रुकी हुई थी। हाल ही में स्टे समाप्त होने के बाद प्राधिकरण ने कब्जे हटाने की प्रक्रिया शुरू की। ये संरचनाएं सिंहस्थ की तैयारी के तहत हरिफाटक ब्रिज के चौड़ीकरण की जद में आ रही थीं।

करीब 7 अब भी शेष

उज्जैन विकास प्राधिकरण ने बेगमबाग में 45 भूखंड 30 साल की लीज पर आवासीय उपयोग के लिए दिए थे। प्रत्येक भूखंड करीब 2400 वर्गफीट का था। प्राधिकरण के अनुसार, लीज शर्तों का उल्लंघन कर इनका व्यावसायिक उपयोग किया गया और भूखंडों को छोटे हिस्सों में बांटकर करीब 90 निर्माण कर लिए गए। बेगमबाग में शनिवार को हुई कार्रवाई को यूडीए की सातवीं बड़ी कार्रवाई बताया गया है। इससे पहले 72 मकान हटाए जा चुके थे।

दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया बाहर, 10 मिनट तक दिया सीपीआर

होटल श्रीगंगा के फूड वेस्ट चेंबर में गिरे चार युवकों की हुई मौत





ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

देवास रोड होटल श्री गंगा में रात 10:30 बजे के लगभग बड़ा हादसा हो गया होटल के फूड वेस्ट चैंबर की सफाई के लिए उतरे चार युवक गिर गए। 2 घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकल गया लेकिन उनकी सांसे थम चुकी थी।

होटल श्री गंगा में रात 10 बजे के लगभग फूड वेस्ट चैंबर की सफाई के लिए बाहर से कुछ युवकों को बुलाया गया था जिनके साथ होटल से जुड़े कर्मचारी भी सफाई में मदद के लिए पहुंचे थे होटल की प्रथम मंजिल से सफाई कार्य शुरू किया गया था इसी दौरान अचानक चार युवक चेंबर में गिर गए । उन्हें बचाने का प्रयास 2 युवकों द्वारा किया गया लेकिन वह भी हादसे का शिकार हो गए उन्हें तत्काल बाहर निकाल लिया गया लेकिन चार युवक उपरी मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर बने तल में आकर फंस गए थे। हादसे के बाद अफरा तफरी मच गई जानकारी लगते ही माधव नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी पुलिस द्वारा चारों को बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए चेंबर के कवर करने के लिए लगाई गई लोहे की चद्दर को काटा गया करीब डेढ़ से 2 घंटे की मशक्कत के बाद चारों युवकों को बाहर निकल गया मौके पर उन्हें सीपीआर देने का प्रयास किया गया लेकिन चारों की सांस थम चुकी थी उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर की टीम अलर्ट थी, चारों का परीक्षण किया गया लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। चारों की पहचान करने पर उनके नाम वहीद निवासी जूनासोमवारिया, कमलेश पिता सोहनलाल तमबोली वाल्मिकी नगर, मछली मार्केट, नितीन पिता ताराचंद वाल्मिकी नगर और मनोज पिता तेजपाल निवासी झालावाड़ राजस्थान सामने आए।

निर्माण स्थलों से मंगवाया कटर

होटल के फूड वेस्ट चेंबर में चार युवकों के गिरने की खबर मिलने पर माधव नगर थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया टीम के साथ पहुंचे थे चेंबर का हिस्सा पूरी तरह से कर था इतनी से पहले हथौड़े से तोड़ने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिलने पर थाना प्रभारी ने आसपास निर्माण स्थलों पर चल रहे कार्य में उपयोग होने वाली कटर मशीन को मंगवा कर रेस्क्यू की शुरूआत की लेकिन चेंबर में गैस की वजह से चारों की मौत हो चुकी थी।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे होटल श्री गंगा

होटल श्री गंगा में बड़ा हादसा होने की जानकारी मिलने पर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए थे इस दौरान पुलिस द्वारा रेस्क्यू किया जा रहा था। एसपी रेस्क्यू टीम का नेतृत्व शुरू किया मौके पर पानी और गंदगी फैली होने से फिसलन हो रही थी बावजूद पुलिस द्वारा काम को जारी रखा गया और चारों को बाहर निकाल लिया। आज सुबह चारों का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान मृतको के परिजनों और रिश्तेदारों की काफी भीड़ जमा थी।

उप निरीक्षक के सर में लगी चोट

पुलिस द्वारा शुरू किये गये रेस्क्यू के दौरान माधव नगर थाना उपरीक्षक धर्मेंद्र सिंह तोमर चोट ग्रस्त हो गए उनके सर से खून बहने लगा था लेकिन उन्होंने अपनी फिक्र छोड़ चारों युवकों को बाहर निकलने में अपने कदम पीछे नहीं हटाए, एसपी प्रदीप शर्मा ने खुद उप निरीक्षक के सर पर लगी चोट की ड्रेसिंग की।

न्यायालय परिसर में बुजुर्ग ने खाया जहरीला पदार्थ

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

न्यायालय परिसर में शनिवार को बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला लेनदेन और मारपीट से जुड़ा सामने आया है। पुलिस बुजुर्ग के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू करेगी।

फाजलपुरा में रहने वाले अब्दुल अजीज को न्यायालय परिसर से चरक अस्पताल लाया गया था। बुजुर्ग अब्दुल ने जहरीला पदार्थ खाया था। उसकी हालत देख डॉक्टरों ने तुरंत उपचार के लिये भर्ती किया। मामले की सूचना मिलने पर माधवनगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। इस दौरान सामने आया कि बुजुर्ग ने सालभर पहले असलम और साजिद से रुपए उधार लिये थे। दोनों रूपयों को लेकर परेशान कर रहे थे। उनके बीच लेनदेन का मामला चिमनगंज पुलिस के पास पहुंचा था। अब्दुल अजीज ने सात हजार रुपए जमा कर दिये थे। 7 हजार रुपए दोनों उसके घर आकर ले गये थे। रुपए लौटने पर भी उनके द्वारा बुजुर्ग की शिकायत की जा रही थी। जिसके चलते उसने न्यायालय परिसर में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया।

मारपीट और पैसे छीनने का लगाया आरोप- बुजुर्ग ने साजिद और असलम पर मारपीट करने और तीन सौ रुपए छीनने का आरोप भी लगाया। उसका कहना था कि उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और धमकी दी जा रही थी। मामले में माधवनगर थाना टीआई गजेन्द्र पचोरिया ने बताया कि मामले की जांच जारी है। उसके बाद ही मामला स्पष्ट हो पायेगा। फिलहाल बुजुर्ग का उपचार चल रहा है।

युवक ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

बड़नगर से शनिवार शाम युवक को झुलसी हालत में चरक अस्पताल लाया गया। उसने खुद को आग लगाई थी, हालत गंभीर होने पर उसके भर्ती किया गया है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। बताया जा रहा है कि बड़नगर से महेश पिता नारायण गेहलोत को गंभीर झुलसी हालत में उज्जैन रैफर किया गया था। परिजन उसे चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों ने बताया कि महेश ड्रायवरी करता है। घटना के समय परिवार खेत पर गया हुआ था। घर पर बेटी थी, उसने पिता को जलते देखा तो शोर मचाया था। आसपास के लोगों ने आग बुझाई और उसे बचाकर अस्पताल पहुंचाया था। परिवार खबर मिलने पर खेत से अस्पताल पहुंचा था। परिजनों का कहना था कि महेश ने ऐसा क्यों किया इसकी वजह पता नहीं है। घर में कोई वाद-विवाद भी नहीं था, ना ही उस पर कर्ज है। मामले में पुलिस झुलसे युवक के बयान दर्ज कर घटनाक्रम का पता लगायेगी। फिलहाल वह बोल पाने की हालत में नहीं है।

नीलगाय पकड़ने के अभियान का दूसरा चरण उज्जैन में शुरू

नो फ्लाइट डे से रूका एक्शन, बोमा लगा आज से रेस्क्यू, ब्रजराजखेड़ी से शुरूआत

नीलगाय पकड़ने की चुनौती से वन विभाग का सामना होगा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

बोमा से कृषणमृग एवं नीलगाय पकड़ने के अभियान के द्वितीय चरण में उज्जैन में शनिवार को पहले दिन ब्रजराजखेड़ी में बोमा लगा दिया गया है। पहले दिन नो फ्लाइट डे होने के कारण हेलीकाप्टर नहीं उड़ाया जा सका। इसके चलते एक्शन नहीं हो सका है। रविवार को सुबह से ही नीलगाय के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम के साथ वन विभाग चुनौती को स्वीकार करेगा।

फसलों को क्षेत्र में नुकसान पहुंचाने वाली नीलगाय को लेकर कृषक बुरी तरह से परेशान हैं। आए दिन इनके कारण हाईवे पर दुर्घटना की स्थिति भी बन रही है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका की बोमा पद्धति से नीलगायों को पकडने का अभियान 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक जिला मुख्यालय की तहसील पर चलाया जाना है। इसके तहत वैसे तो शनिवार से ही कार्रवाई होना थी लेकिन यह नो फ्लाइट डे के कारण संभव नहीं हो सकी है अब रविवार सुबह से अभियान गति पकडेगा और यहां से नीलगायों को पकड़ कर गांधीसागर वन्य जीव अभ्यारण्य मंदसौर भेजा जाएगा।

पायलट ने डीजीसीए के नार्मस का पालन किया- मुख्य वन संरक्षक डॉ. किरण बिसेन के अनुसार शनिवार को हेलीकाप्टर उड़ाने वाले पायलट के लिए नो फ्लाइट डे था। डीजीसीए के नार्मस के तहत निर्धारित समय की उड़ानों के उपरांत पायलट को रेस्ट लेना होता है। ऐसे में एविएशन के नियमों का पालन करते हुए पायलट रेस्ट पर रहा है। रविवार को एक बार फिर से पायलट पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों को हेलीकाप्टर में लेकर उड़ान भरेगा और नीलगायों की घेराबंदी की जाएगी।



पहला बोमा ब्रजराजखेड़ी में लगा

डॉ. बिसेन के अनुसार उज्जैन जिला मुख्यालय की तहसील में पहला बोमा ब्रजराजखेड़ी में लगाया गया है। पूर्व निर्धारित उत्तर पूर्व के अक्षांश एवं देशांश की लोकेशन में बोमा को निर्धारित किया गया है। बोमा स्थल के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में एक्शन के दौरान विद्युत प्रदाय बाधित किया जाएगा। बोमा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस के साथ मौजूद रहेगी। पशु चिकित्सा विभाग पशुओं को पकड़े जाने के बाद जांच के लिए तैनात किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने हेलीकाप्टर के लिए अस्थाई हेलीपेड का चयन किया है। ग्रामीणों के साथ समन्वय जनपद पंचायत ने किया है।

कृष्णमृग सेअधिक पेचिदा नीलगाय पकड़ना

डॉ. बिसेन के अनुसार शाजापुर जिला अंतर्गत अभियान के प्रथम चरण में डेढ़ हजार से अधिक कृष्णमृगों को रेस्क्यू कर कूना, रानी दुर्गावती एवं गांधीसागर अभ्यारण्य में छोड़ा गया है। अभियान के दौरान मात्र 94 नीलगाय ही पकड़ी जा सकी है। ऐसे में उज्जैन में अभियान के दूसरे चरण में मात्र नीलगायों को पकड़ा जाना है। उन्होंने स्वीकार किया कि कृष्णमृग से अधिक पेचिदा नीलगाय का रेस्क्यू है।

गिरफ्त में आया गांजा बेचने की फिराक में निकला अधेड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गांजा बेचने की फिराक में निकला अधेड़ पुलिस की गिरफ्त में आ गया। उसके पास से डेढ़ किलो से अधिक गांजा बरामद होने पर एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया। न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

भाटपचलाना थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बरड़िया फंटा पर एक अधेड़ व्यक्ति गांजा बेचने की फिराक में आया हुआ है। उसे किसी का इंतजार है। थाना इंचार्ज सत्येन्द्रसिंह चौधरी ने टीम के साथ घेराबंदी की और अधेड़ को हिरासत में लिया। उसके पास से डेढ़ किलो से अधिक गांजा बरामद हो गया। पूछताछ करने पर उसका नाम रामचंद्र पिता मांगूसिंह निवासी ग्राम चिरोलाकला सामने आया। थाना इंचार्ज चौधरी ने बताया कि मामले में मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से जेल भेजा गया है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने गांजा धार-बदनावर से लाना कबूल किया था। मामले में आगे की विवेचना जारी है। तराना पुलिस ने 20 जनवरी 2007 को 157 किलो गांजा बरामद किया था और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एक आरोपी भीमसिंह पिता मांगीलाल बंजारा निवासी शंकरगढ़ फरार हो गया था। उसकी तलाश लगातार जारी थी लेकिन वह जिला छोड़कर फरार हो गया था। 18 साल बाद शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि गांजा तस्करी में फरार आरोपी भीमसिंह शंकरगढ़ आया हुआ है। थाना प्रभारी रामनारायण भदौरिया ने एसआई हरिराम अंगोरिया, परमानंदसिंह, एएसआई आनंदसिंह झाला, आरक्षक शुभम सोलंकी और आनंद को धरपकड़ के लिये रवाना किया।

पंवासा के बदमाश ने चुराया था यात्री का मोबाइल

कैमरों से हुई पहचान के बाद किया गिरफ्तार

रेलवे स्टेशन पर यात्री का मोबाइल चोरी करने वाले बदमाश की पहचान कैमरों से करने के बाद जीआरपी की टीम ने शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 28 हजार कीमत का मोबाइल बरामद किया गया है। जीआरपी थाना पुलिस ने बताया कि 28 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन दिल्ली जाने वाली ट्रेन में यात्रा करने के लिये प्रवीण आंजना निवासी उज्जैन प्लेटफार्म नम्बर 1 पर पहुंचे थे। भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया था। शिकायत पर धारा 303(2) का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। आरपीएफ कंट्रोलरूम में लगे कैमरों के फुटेज देखने पर मोबाइल चोरी करने बदमाश दिखाई दे गया था। जिसके आधार पर उसकी पहचान के प्रयास किये जा रहे थे। इसी बीच शनिवार सुबह उक्त बदमाश फिर से रेलवे स्टेशन पर पहुंचा। कैमरों से नजर रख रही आरपीएफ टीम ने उसे पहचान लिया और जीआरपी टीम के साथ मिलकर उसकी गिरफ्तारी के लिये घेराबंदी की। स्टेशन के आउटर क्षेत्र से उसे पकड़ा गया और पूछता की गई तो उसका नाम गौतम सोलंकी पिता सुरेश सोलंकी निवासी पंवासा होना सामने आया। उससे चोरी किये गये मोबाइल की बरामदगी के प्रयास शुरू करने पर उसकी निशानदेही पर उक्त मोबाइल बरामद कर लिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com